मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 3 जून 2026

संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा 3 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 259 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ युवा व उभरते खिलाड़ियों को आईपीएल दे रहा बड़ा अवसर

सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर मलाइका अरोड़ा ने कहा'दूसरों को खुश करने की जरूरत नही ◂◂ 6

दिल्ली: मालवीय नगर अग्निकांड में मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हुई, मरने वालों में अधिकांश विदेशी नागरिक

नई दिल्ली : राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में स्थित एक रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग से बड़ा हादसा हुआ। इस दर्दनाक घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। पुलिस ने बताया कि आग में जान गंवाने वालों में अधिकांश विदेशी नागरिक शामिल हैं। दिल्ली पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, बुधवार सुबह 8:48 बजे मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे बी एंड बी में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की आठ गाड़ियों को मौके पर लगाया गया। पुलिस, दमकल विभाग और अन्य आपातकालीन एजेंसियों के संयुक्त प्रयासों से 40 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि हादसे में अब तक 21 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में अधिकांश विदेशी नागरिक हैं। हालांकि, उनकी पहचान और राष्ट्रीयता की आधिकारिक पुष्टि की प्रक्रिया जारी है।

पुलिस ने कहा कि राहत एवं बचाव अभियान अभी भी जारी है और सभी संबंधित एजेंसियां घटनास्थल पर मौजूद हैं, ताकि प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा सके। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पीएम मोदी ने मृतक के परिजनों को 2-2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। साथ ही, घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने बयान में कहा, ₹दिल्ली के मालवीय नगर में आग लगने की घटना में लोगों की जान जाना बेहद दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रशासन प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष की ओर से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।

बेड़ो में दर्दनाक सड़क हादसा: ओवरटेक करने के दौरान मिर्चा लदा टेंपू पलटा, एक की मौत, तीन घायल

संवाददाता

बेड़ो : बेड़ो थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरानापानी लापुंग मोड़ के समीप बुधवार सुबह एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। एक वाहन को ओवरटेक करने के चक्कर में मिर्चा लदा सवारी टेंपू अनियंत्रित होकर पलट गया। इस भीषण दुर्घटना में टेंपू पर सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतक की पहचान सिसई मुरगु मेड़ियाटोली निवासी 29 वर्षीय सुखदेव उरांव के रूप में की गई है।

ओवरटेक के दौरान अनियंत्रित हुआ वाहन : प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मिर्चा लदा सवारी टेंपू (संख्या- खल 01 उे 9945) भरनो की ओर से बेड़ो की तरफ आ रहा था। इसी दौरान सुबह करीब 8 बजे पुरानापानी लापुंग मोड़ के पास टेंपू चालक ने आगे चल रहे एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया। तेज रफ्तार होने के कारण चालक वाहन पर से अपना नियंत्रण खो बैठा, जिससे टेंपू सड़क पर ही पलट गया। हादसे के वक्त वाहन में कुल चार लोग सवार थे, जो मिर्चा के साथ बेड़ो आ रहे थे।

घटनास्थल पर ही तोड़ा दम, तीन अन्य घायल : टेंपू के पलटने से उसमें सवार 29 वर्षीय सुखदेव उरांव (पिता- सिसई मुरगु मेड़ियाटोली) गंभीर रूप से वाहन के नीचे दब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, इस हादसे में भरनो मदनपुर छप्परटोली ग्राम निवासी सीताराम उरांव, सुका उरांव और एक अन्य सुखदेव उरांव गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

पूर्व मुखिया और ग्रामीणों ने दिखाई तत्परता, घायलों को भेजा अस्पताल : सड़क दुर्घटना की भनक लगते ही ईटा पंचायत के पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल बेड़ो थाना पुलिस और प्रशासन को हादसे की सूचना दी। इसके बाद पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा ने स्थानीय सहयोगियों- सतवीर मिंज, प्रदीप बाड़ा, नईम हुसैन, बारीक खान, सोमरा उरांव, विकास ठाकुर और अन्य ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को अविलंब इलाज के लिए बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (उल्ठ) भेजा गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।

पुलिस मामले की जांच में जुटी : इधर, सूचना मिलते ही बेड़ो थाना की पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मृतक सुखदेव उरांव के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त टेंपू को जब्त कर पुलिस मामले की विस्तृत छानबीन और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है। इस हादसे के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है और गांव में शोक की लहर है।

दिल्ली स्पेशल सेल ने संदिग्ध आतंकी हुफेजा को किया गिरफ्तार

ट्रांजिट रिमांड लेकर वापस लाने की तैयारी

नई दिल्ली । दिल्ली स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र में पुणे जिले के मीरा भायंदर इलाके से संदिग्ध आतंकी हुफेजा को गिरफ्तार किया है। आरोपी को ठाणे शहर की न्यायिक मजिस्ट्रेट, कोर्ट नंबर 5 में पेश कर ट्रांजिट रिमांड की मांग करेगी। सुरक्षा एजेंसियां इस पूरे मामले को काफी गंभीरता से देख रही हैं और आरोपी के नेटवर्क, संपर्कों और गतिविधियों की गहराई से जांच की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, स्पेशल सेल आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद ट्रांजिट रिमांड की मांग की जाएगी और इसके बाद उसे दिल्ली लाया जाएगा, जहां उससे आगे की पूछताछ की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, हुफेजा अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने के लिए मीरा-भायंदर आया हुआ था, तभी दिल्ली स्पेशल सेल और एटीएस की संयुक्त टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। गिरफ्तारी के समय किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से बचने के लिए इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत किया गया था। पिछले कुछ दिनों से सुरक्षा एजेंसियां आरोपी की गतिविधियों पर नजर रख रही थीं। करीब तीन दिनों से उसके संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी निगरानी और तकनीकी इनपुट के आधार पर उसकी लोकेशन ट्रेस की गई और उसे गिरफ्तार किया गया। फिलहाल आरोपी से प्रारंभिक पूछताछ की गई है, लेकिन अधिकारियों का मानना है कि दिल्ली लाकर उससे और महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि उसका किसी बड़े नेटवर्क या संगठन से कोई संबंध है या नहीं।

इस गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं और उसके संपर्क में आए अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है। मामले की आगे की कार्रवाई अदालत के निदेर्शों और जांच एजेंसियों की रिपोर्ट पर निर्भर करेगी।

सफाई के नाम पर जेवर उड़ाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के छह सदस्य पलामू में गिरफ्तार

बिहार के सुपौल से संचालित हो रहा था गिरोह

संवाददाता

पलामू: सफाई के नाम पर जेवरात गायब करने वाले इंटर स्टेट गिरोह के छह सदस्यों को पलामू पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार सभी आरोपी बिहार के सुपौल जिला के रहने वाले हैं. यह गिरोह चांदी की सफाई के नाम पर जेवरात को गायब कर देते थे.

दरअसल, पलामू के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के हुल्सी गांव में एक महिला बिहार के सुपौल के रहने वाले दो युवक से चांदी के जेवरात को साफ करवा रही थी. चांदी के जेवर को साफ करवाने के बाद महिला ने सोने का मंगलसूत्र साफ करवाया था. इसी क्रम में दोनों युवकों ने मंगलसूत्र की जगह कागज में पाउडर लपेट कर दे दिया था. महिला जागरूक थी उसने कागज खोलकर देखा और दोनों युवकों को पकड़ लिया. इसके बाद पुलिस को सूचना दे दी.

मामले की जानकारी मिलने के बाद नौडीहा बाजार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को हिरासत में लिया. दोनों युवकों की निशानदेही पर चार अन्य आरोपियों को पकड़ा गया. पकड़े गए आरोपियों में प्रिंस कुमार

और राहुल कुमार बिहार के सुपौल के जदिया बाजार के रहने वाले हैं. वहीं प्रभु कुमार शाह, रोहन कुमार, अक्षय कुमार सुपौल के रानीगंज थाना क्षेत्र के मटियारी निवासी हैं. जबकि रोहित कुमार सुपौल के जदिया थाना क्षेत्र का रहने वाला है.

एसडीपीओ ने दी जानकारी : इस संबंध में छतरपुर एसडीपीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है पुलिस पूरे मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी है. गिरोह के सदस्य जेवर की सफाई के नाम पर उसे गायब कर देते थे. नौडीहा बाजार के थाना प्रभारी नीरज कुमार ने बताया कि गिरोह के सदस्यों के पास एक केमिकल मिला है. चांदी की सफाई के दौरान चांदी के कुछ भाग को गायब कर दिया जाता था. जबकि सोने के जेवरात को पूरी तरह से गायब कर दिया जाता था.

यह गिरोह झारखंड के कई जिलों में था सक्रिय : यह गिरोह पलामू, चतरा और हजारीबाग समेत कई इलाकों में इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे चुका है. गिरोह के सदस्य जिस इलाके में घटना को अंजाम देते थे उससे करीब 100 किलोमीटर दूर किराए के मकान में रहते थे. पुलिस की छापेमारी में नौडीहा बाजार के थाना प्रभारी नीरज कुमार, सब इंस्पेक्टर रोहित चौहान, एएसआई दीपक कुमार राजेश बैठा समेत कई पुलिस अधिकारी शामिल थे।

ममता के नाम पर बागियों का शक्ति प्रदर्शन

58 विधायकों ने ऋतुब्रत को विपक्ष का नेता बनाने की मांग की

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी सियासी उठा-पटक के बीच पार्टी के 58 बागी विधायकों ने बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष रथीन बोस को पत्र सौंपकर ऋतुब्रत बनर्जी को विधानसभा में विपक्ष का नेता मान्यता देने की मांग की। दिलचस्प यह है कि इस शक्ति प्रदर्शन के बावजूद बागी विधायकों ने पत्र में ममता बनर्जी को ही पार्टी की नेता और सभानेत्री बताया है, जिससे संकेत मिला है कि उनका विरोध सीधे तौर पर अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व को लेकर है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बागी खेमे की ओर से दिए गए पत्र में संदीपन साहा, जावेद खान और शिउली साहा को उपनेता तथा अखरुज्जमान को मुख्य सचेतक बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया है। विधानसभा सूत्रों के अनुसार स्पीकर ने पत्र स्वीकार कर लिया है, हालांकि अंतिम निर्णय लेने से पहले सभी हस्ताक्षरों का सत्यापन कराया जाएगा। माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर जल्द फैसला हो सकता है। कैसे हुई विवाद की शुरूआत? तृणमूल में मौजूदा संकट की शुरूआत विपक्ष के नेता पद के लिए वरिष्ठ विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय के समर्थन में भेजे गए एक पत्र से हुई थी। आरोप लगा कि उस पत्र में कई विधायकों के हस्ताक्षर जाली थे। मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस और सीआईडी जांच कर रही है तथा कई विधायकों से पूछताछ की जा चुकी है। इसी विवाद के बाद ऋतुब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। इसके बाद कई विधायक खुलकर पार्टी नेतृत्व के खिलाफ सामने आए और बागी खेमे का आकार लगातार बढ़ता गया। इसके साथ ही तृणमूल में संभावित विभाजन और नए राजनीतिक समीकरणों को लेकर अटकलें भी तेज हो गई हैं। बागी विधायक अरुणाभ सेन ने कहा, 'मैं आज भी ममता बनर्जी को अपना नेता मानता हूं, लेकिन अभिषेक बनर्जी को कभी नेता नहीं माना और न ही मानूंगा। हमने विधानसभा में विपक्ष का नेता चुनकर स्पीकर को पत्र सौंप दिया है। अब निगाहें विधानसभा अध्यक्ष के फैसले पर टिकी हैं। यदि 58 विधायकों के समर्थन का दावा वैध पाया जाता है तो पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल के भीतर शक्ति संतुलन को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

मत्स्य निदेशालय की उपलब्धि : मछली उत्पादन में झारखंड आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर : अमरेंद्र कुमार

मेट्रो रेज डेस्क

रांची : मत्स्य उत्पादन में झारखंड आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में मछली पालन रोजगार का एक सशक्त साधन बनता जा रहा है। उक्त बातें झारखंड सरकार के मत्स्य निदेशालय के निदेशक अमरेंद्र कुमार ने कही।

उन्होंने बताया कि गत वित्तीय वर्ष की तुलना में मछली उत्पादन में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, वित्तीय वर्ष 2025-26 में

चार लाख दस हजार मीट्रिक टन उत्पादन लक्ष्य के एवज में तीन लाख इक्यासी हजार छह सौ मीट्रिक टन का उत्पादन हुआ।

उन्होंने बताया कि

झारखंड में पहली बार रंगीन मछलियों के उत्पादन की पहल

की गई है। इसके तहत महिला मत्स्यजीवी सहयोग समितियां का गठन कर महिलाओं को रंगीन मछली पालन से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि महिला स्वावलंबन को गति मिल सके। रंगीन मछली पालन महिलाओं के रोजगार सृजन का एक माध्यम बन रहा है।

उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार मत्स्य कृषकों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। कोशिश की जा रही है कि राज्य मछली पालन में सरप्लस होने के साथ ही अन्य राज्यों को भी मछली निर्यात कर सके।

फिलहाल झारखंड में मछली की खपत के अनुरूप उत्पादन होने लगा है। झारखंड अब अन्य सीमावर्ती राज्यों (बिहार, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल) को मछली निर्यात कर रहा है, यह सरकार की कारगर रणनीति का प्रतिफल है। मत्स्य निदेशक ने कहा कि हम मछली उत्पादन के निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

पिछले वित्तीय वर्ष 25-26 में जबरदस्त सफलता मिली। लगभग चार लाख मीट्रिक टन का रिकॉर्ड उत्पादन मत्स्य किसानों ने किया। इस वर्ष लक्ष्य को बढ़ाकर 4लाख 23 हजार मीट्रिक टन रखा गया है। लक्ष्य हासिल करने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है। मत्स्य कृषकों को विभिन्न योजनाओं से आच्छादित किया जा रहा है। निदेशक ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत अभी तक जो भी कार्य हुए हैं वह संतोषप्रद रहे हैं। इसमें किसानों का भी सहयोग मिला है। उन्होंने बताया कि 4500 केज प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत किसानों को दिया गया है, वैसे पूरे राज्य में 15 हजार केज किसानों को दिए गए हैं।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान

निदेशक ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरूआत की गई है। इसके तहत भारत सरकार द्वारा झारखंड के 223 प्रखंड अंतर्गत 6822 ग्रामों के अनुसूचित जनजाति के कृषक, जो मछली पालन को रोजगार के रूप में अपनाना चाहते हैं, उनके लिए यह योजना वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2028-29 तक के लिए शुरू की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य भारत के जनजातीय बहुल ग्रामों तथा आकांक्षी प्रखंडों में जनजातीय समुदायों के बीच सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार करना है एवं जल कृषि के माध्यम से अनुसूचित जनजातीय मछुआरों और सामूहिक मत्स्य पालक समूह धारकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। योजना का मुख्य उद्देश्य मछली उत्पादन एवं उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि, मत्स्य प्रबंधन हेतु नवीनतम तकनीकी सहायता, आवश्यक आधुनिक आधारभूत संरचना का विकास, आधुनिकीकरण एवं शुद्धीकरण हेतु सहायता उपलब्ध कराना है। निदेशक ने बताया कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 90 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है।

मोती पालन भी बन रहा मत्स्यपालकों के आमदनी का जरिया

निदेशक ने बताया कि झारखंड के मत्स्य कृषकों को मोती पालन का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके तहत मत्स्य कृषक मछली उत्पादन के साथ-साथ मोती पालन के गुरु भी सीख रहे हैं। इससे उनकी आर्थिक समृद्धि बढ़ रही है। केंद्र सरकार द्वारा झारखंड के हजारीबाग जिला को मोती पालन के लिए कलस्टर सेंटर चयनित किया जाना गर्व की बात है।

उन्होंने बताया कि झारखंड में पहली बार महिला मत्स्यजीवी समिति बनाई गई है जिसके तहत महिलाओं को खास तौर पर रंगीन मछली पालन के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है। यह ट्रेनिंग उड़ीसा के 'सीफा' 'केंद्रीय मीठे जल जीवपालन अनुसंधान संस्थान' के सो जाने से दी जा रही है। रंगीन मछली पालन के लिए इक्वेरियम, ड्रम, हीटर, फिल्टर, मोटर, पाईप, नेट, प्लास्टिक टब, एफआरपी टैंक, हैंड नेट, पेपर स्टीक, दवा के साथ रंगीन मछली का वितरण किया गया है।

7 जुन को सिल्ली में ताम्बुलि मिलन समारोह

मुरी : आगामी 7 जुन को सिल्ली ओवर ब्रिज के नीचे ताम्बूलि मिलन समारोह सह समाजिक सम्मेलन का आयोजन किया गया है। आयोजन ताम्बूलि हितैषी समिति द्वारा संचालित किया जाएगा। इसमें इसके लिए समाज का सहयोग मिल रहा है, ताम्बूलि समाज के लोग ज्यादा संख्या में आकर योगदान दे।

किशोर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

खूंटी : खूंटी जिला के तपकरा थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपला गांव में एक किशोर द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना से गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोपला गांव निवासी लगभग 17 वर्षीय सुनील सुरीन ने अपने घर में लगे पंखे से साड़ी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही हुसीर पंचायत के मुखिया प्रदीप गुड़िया एवं तपकरा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक के परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली तथा शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी। पुलिस द्वारा शव का पंचनामा तैयार कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान आगे बढ़ा रही है। घटना के बाद गांव में शोक की लहर है तथा परिजन सदमे में हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही आत्महत्या के कारणों के संबंध में कुछ स्पष्ट कहा जा सकेगा।

यात्रियों से भरी सवारी वाहन पलटी,करीब 2 दर्जन लोग घायल, 5 रेफर

चतरा : जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र के जापुट गांव के समीप यात्रियों से भरी एक सवारी गाड़ी पलट गया। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। घटना में करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि सभी लोग सिमरिया के टुटीलावा में आयोजित छठी कार्यक्रम में शामिल होकर वापस अपने गांव भयपुर लौट रहे थे। इसी दौरान बीच सड़क पर बकरी दौड़ गई उसे बचाने के चक्कर में वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना में गजेंद्र भारती, आर्यन कुमार,राजेन्द्र भारती, रिंकू कुमार, गीता देवी, कांति देवी, प्रीति कुमारी, सरस्वती देवी सहित अन्य घायल हो गए। सभी लोगों को स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से 108 एम्बुलेंस से सदर अस्पताल चतरा लाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायलों में 5 की स्थिति गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। जबकि अन्य का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है।

धनबाद वर्ग प्रशिक्षण के लिए रवाना हुई बजरंग दल खूंटी की टीम

खूंटी : बजरंग दल खूंटी की टीम वर्ग प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए धनबाद के लिए रवाना हुई। जिला सह संयोजक कर्मवीर महतो के नेतृत्व में कार्यकताओं का दल उत्साह और जोश के साथ प्रशिक्षण वर्ग हेतु प्रस्थान किया। जानकारी के अनुसार, वर्ग प्रशिक्षण कार्यकताओं के वैचारिक, संगठनात्मक एवं नेतृत्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है। प्रशिक्षण के दौरान संगठन की कार्यपद्धति, राष्ट्र सेवा, सामाजिक समरसता तथा व्यक्तित्व विकास जैसे विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। इसके माध्यम से कार्यकताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियों के निर्वहन एवं समाज हित में प्रभावी भूमिका निभाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष विनोद जायसवाल ने सभी प्रतिभागी कार्यकताओं को शुभकामनाएं देते हुए धनबाद के लिए रवाना किया। उन्होंने प्रशिक्षण वर्ग के सफल आयोजन और प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। धनबाद वर्ग प्रशिक्षण में शामिल होने वाले कार्यकताओं में जिला सह संयोजक कर्मवीर महतो, सूर्यांशु राज गुप्ता, श्रीकांत कश्यप, प्रभु साहू, अविनाश मांझी, सत्यम राजपूत, आयुष कुमार, आर्यन शनि, रवि साहू, अमन कुमार, आदित्य साहू, रौनक साहू एवं अनुराग कुमार शामिल हैं।

बजरंग दल खूंटी के कार्यकताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षण वर्ग से प्राप्त अनुभव और ज्ञान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के साथ-साथ समाज सेवा एवं जनजागरण के कार्यों को नई गति प्रदान करेगा।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यशाला आयोजित

खूंटी : भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, खूंटी में मंगलवार को जिला अध्यक्ष आनंद कुमार की अध्यक्षता में केंद्र की मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिलेभर में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के सभी मंडलों के कार्यक्रम संयोजक एवं सह-संयोजक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री निखिल कंडुलना ने किया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई तथा विभिन्न जिम्मेदारियां निर्धारित की गईं। बैठक में निर्णय लिया गया कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ₹एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान के तहत जिलेभर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी मंडलों में योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं 18 जून को जिला स्तर पर प्रबुद्धजन सम्मेलन आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया।

जिला अध्यक्ष आनंद कुमार ने कार्यकताओं से केंद्र सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा निर्धारित कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यशाला में जिला मंत्री कंचन सिंह, निखिल मिश्रा, अश्विनी शर्मा, अनिल महतो, रामप्रसाद सिन्हा, जगदीश महतो, वीरेन्द्र राम, जितेन्द्र मांझी, प्रसून कुमार मांझी, किसना चंद्र सिंह, डोमन सिंह, अलका कुमारी, सुखराम राय सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, शिक्षा व्यवस्था की बदहाली के खिलाफ उठी आवाज

संवाददाता

रांची : रांची महानगर युवा कांग्रेस के आह्वान पर बुधवार को राजधानी रांची में ठएएळ सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था की बदहाली और केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। आंदोलन में युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने शांतिपूर्ण मार्च निकालकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।

जयपाल सिंह स्टेडियम से शुरू हुआ यह मार्च कचहरी चौक होते हुए राजभवन तक पहुंचा। प्रदर्शन के दौरान युवाओं के हाथों में पेपर लीक बंद करो और एजुकेशन सिस्टम बचाओ जैसे स्लोगन लिखी तख्तियां थीं। कार्यकताओं ने केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलन में युवा कांग्रेस खूंटी के जिलाध्यक्ष आमिर हुसैन के नेतृत्व में अनमोल धन, उस्मान खान, संजीत नायक, साजिद आलम, विष्णु नायक, दशरथ मुंडा, बहा मुंडा, नवाज अंसारी, सुभाष मुंडा, संदीप महतो, जय साहू, आयुष साहू, इमरान खान, जैकी अहमद, सत्यदेव कंसारी एवं अरबाज खान सहित कई कार्यकर्ता शामिल हुए।

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि ठएएळ समेत अन्य परीक्षाओं में हुए पेपर लीक की नैतिक एवं प्रशासनिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तत्काल अपने पद से इस्तीफा दें। उनका आरोप था कि लगातार पेपर लीक की घटनाएं सरकार की विफलता और लापरवाही का परिणाम हैं। इस अवसर पर युवा कांग्रेस खूंटी के जिलाध्यक्ष आमिर हुसैन ने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है और लाखों छात्रों का भविष्य असुरक्षित हो गया है। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले पेपर लीक से छात्रों की मेहनत और सपनों पर पानी फिर रहा है। ऐसे में केंद्र सरकार को जवाबदेही तय करते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

प्रदर्शन के दौरान ₹शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो₹, ₹पेपर माफियाओं को संरक्षण देना बंद करो₹ और ₹जो सरकार बच्चों का भविष्य बर्बाद करे, उसे सत्ता में रहने का अधिकार नहीं₹ जैसे नारे पूरे मार्ग में गूंजते रहे।

युवा कांग्रेस ने चेतावनी दी कि जब तक पेपर लीक माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शी सुधार और जिम्मेदार अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन सड़कों से लेकर संसद तक जारी रहेगा। युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देश का युवा अब अपने भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार करने वाला नहीं है और शिक्षा व्यवस्था को बचाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

ईटखोरी महोत्सव-2027 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

महोत्सव को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में होगी व्यापक पहल

संवाददाता

210

चतरा : समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में इटखोरी महोत्सव-2027 एवं इटखोरी मंदिर परिसर के समग्र विकास से संबंधित एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी महोत्सव के सफल आयोजन, व्यापक प्रचार-प्रसार, पर्यटक सुविधाओं के विस्तार तथा इटखोरी को एक प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में इटखोरी महोत्सव को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अधिक व्यापक पहचान दिलाने के उद्देश्य से विभिन्न रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। महोत्सव के प्रचार-प्रसार हेतु डिजिटल एवं सोशल मीडिया माध्यमों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने तथा आकर्षक प्रचार सामग्री तैयार कर व्यापक स्तर पर प्रसारित करने का निर्णय लिया गया।साथ ही महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक, साहित्यिक, खेलकूद एवं युवा गतिविधियों के आयोजन की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई, ताकि विभिन्न आयु वर्ग के लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। महोत्सव को अधिक आकर्षक एवं जनसरोकारों से जोड़ने के लिए विविध कार्यक्रमों के आयोजन पर बल दिया गया।

बैठक में इटखोरी महोत्सव से संबंधित प्रकाशनों एवं प्रचार सामग्री को अद्यतन करने तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संस्थानों के माध्यम से इसकी जानकारी व्यापक स्तर तक पहुंचाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने का निर्णय लिया गया।

पर्यटकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए आवास, भ्रमण एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही इटखोरी मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण, आधारभूत संरचना के विकास तथा पर्यटक सुविधाओं के विस्तार के संबंध में आवश्यक कार्यों की समीक्षा की गई।उपायुक्त श्री आनंद ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि महोत्सव की तैयारियों को समयबद्ध एवं व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया जाए तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व से सुनिश्चित की जाएं, ताकि इटखोरी महोत्सव-2027 का आयोजन भव्य, सुव्यवस्थित एवं यादगार बनाया जा सके।बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम,अंचल अधिकारी इटखोरी सविता सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी इटखोरी सोमनाथ बांकीरा, जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम, जिला पर्यटन विशेषज्ञ अंकित कुमार, जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

हंटरगंज में दो अलग -अलग सड़क हादसे दो युवक घायल

दोनों की स्थिति चिंताजनक ; गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र में बीते मंगलवार की रात्रि अलग-अलग स्थानों पर हुए दो सड़क हादसों में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गया मगध मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया।पहली घटना हंटरगंज थाना क्षेत्र क्षेत्र अंतर्गत औरु पंचायत सचिवालय पथ औरु स्थित चमरहरि आहार के पास हुई। जानकारी के अनुसार, डटमी बाजार से अपने घर औरुगेरुआ लौट रहे एक युवक की साइकिल क्षतिग्रस्त पुल के आगोश में समा गया। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के ग्रामीणों व राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को निजी वाहन से हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। घायल की पहचान थाना क्षेत्र के औरुगेरुआ निवासी हमेशर मिस्त्री के 40 वर्षीय पुत्र लखन मिस्त्री के रूप में हुई है। बताया जाता है कि युवक कारपेंटर का काम करता था, वही काम कर रात में घर लौट रहा था तभी यह हादसा हुआ। हादसे में घायल युवक की सिर और मुंह में गंभीर चोट पहुंची है जिससे युवक की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। वही दूसरी घटना हंटरगंज-प्रतापपुर मुख्य पथ पर बलूरी गांव के के समीप घटी। पांडेपुरा से अपने घर लौट रहे एक बाइक सवार युवक की सड़क पर खड़ी हाईवा से सीधी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बाइक सवार युवक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़ा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान थाना क्षेत्र के लेंजवा बेलवाटड़ निवासी बलि यादव के 28 वर्षीय पुत्र योगेन्द्र यादव के रूप में हुई है। दोनों घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों गंभीर घायलों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है, दोनों की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। इधर ग्रामीणों ने मंगलवार को सुबह 8 बजे टूटे पुल की तत्काल निर्माण या फिर बैरिकेटिंग की मांग की हो। ताकि यहां घटना की पुनरावृत्ति ना हो।

सरकारी लाभ समय पर मिलना जनता का अधिकार है : देवेन्द्र नाथ महतो

41 संवेदनशील मामलों का त्वरित निष्पादन, कई शिकायतें प्रक्रियाधीन

संवाददाता

मुरी : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सिल्ली विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो की पहल पर मंगलवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय, सिल्ली में बैनर तले जन समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के लोगों की विभिन्न जनसमस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। वहीं, अन्य मामलों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रक्रियाधीन किया गया।

शिविर में मुख्य रूप से राशन कार्ड, आवासीय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जमीन विवाद, मनरेगा, पेयजल, साईकिल वितरण तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित शिकायतों एवं समस्याओं पर सुनवाई की गई। संबंधित अधिकारियों ने प्राप्त आवेदनों और शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए कुल 41मामलों का त्वरित निष्पादन किया।

अंचल कार्यालय के सभागार में आयोजित इस शिविर में प्रखंड विकास पदाधिकारी अनिल कुमार, अंचल निरीक्षक दीपक मिंज, प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी अशोक कुमार, हल्का कर्मचारी भुवनेश्वर सिंह तथा ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सुमित कुमार लाहा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जन समस्या समाधान शिविर में सिल्ली प्रखंड के लगभग सभी 20 पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। सभागार में देर शाम तक जनसुनवाई का सिलसिला जारी रहा। ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिनके समाधान की दिशा में आवश्यक पहल की गई।

इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी जाकिर खान, महावीर प्रसाद साहू, चंडी प्रसाद, खुदीराम महतो, गुहीराम संवासी, कार्तिक महतो सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मौके पर देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि संगठन जनसमस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने कहा कि प्रखंड कार्यालय में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा लाभुकों को पूर्ण पारदर्शिता के साथ सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से आम जनता की समस्याओं के त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करने का आग्रह किया।साथ ही उन्होंने कहा कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिलना जनता का अधिकार है ।

रनिया में जंगली हाथियों का आतंक जारी, वार्ड सदस्य का घर तोड़ा

खूंटी : जिला के रनिया प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार बढ़ रही हाथियों की गतिविधियों से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। रविवार रात करीब 10 बजे दो जंगली हाथी जंगल से भटककर निरसिंग गांव पहुंच गए और वार्ड सदस्य ममता केरकेट्टा के कच्चे खपरैल मकान को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद हाथियों को खदेड़कर सुरक्षित वन क्षेत्र की ओर वापस भेजा। हालांकि हाथियों के हमले में मकान को काफी नुकसान पहुंचा, जिससे पीड़ित परिवार की परेशानी बढ़ गई है। पीड़ित परिवार ने वन विभाग को घटना की सूचना देते हुए हुए हुए नुकसान का आकलन कर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में हाथियों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। जंगल से निकलकर हाथियों के झुंड गांवों में प्रवेश कर रहे हैं और घरों के साथ-साथ किसानों की खेतों में लगी फसलों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों की लगातार बढ़ती गतिविधियों के कारण लोगों का रात में घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। कई गांवों के लोग भय के साए में जीवन जीने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से हाथियों के उत्पात पर रोक लगाने तथा प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है। वन विभाग की ओर से मामले की जानकारी मिलने के बाद आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। वहीं क्षेत्र में हाथियों की निगरानी बढ़ाने और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

9 लाख की ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार,व्हाट्सएप चैट से खुला नेटवर्क

चतरा : चतरा पुलिस ने सोमवार को गुप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए गिद्धौर थाना क्षेत्र के जपुआ मैदान से करीब 9 लाख रुपये मूल्य की अवैध ब्राउन शुगर के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जपुआ गांव निवासी दीपक कुमार (22 वर्ष) पिता राजेन्द्र दांगी के रूप में हुई है। जिला मुख्यालय में मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में डीएसपी मुख्यालय सुनील कुमार सिंह ने बताया कि अंचलाधिकारी अनंत शयनम विश्वकर्मा और थाना प्रभारी पुरुषोत्तम अग्निहोत्री के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल ने आरोपी को रंगे हाथों दबोचा। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 44 ग्राम ब्राउन शुगर और एक विवो मोबाइल बरामद हुआ। पुलिस को मोबाइल के व्हाट्सएप चैट नंबर 9508765340 और 6206781017 से नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री के पुख्ता सबूत मिले हैं। इस संबंध में गिद्धौर थाना कांड संख्या 61/26 दिनांक 01.06.2026 धारा- 17 (बी)/21 (बी)/22 (बी)/27(ए)/ 28/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है। बताया कि बरामद ब्राउन सुगर की अनुमानित बाजार मुल्य लगभग 9 लाख रु हैं।

पंचशील नगर में रांची नगर निगम का अभियान जारी

रांची : नगर आयुक्त के निर्देश पर मंगलवार को पंचशील नगर क्षेत्र में रांची नगर निगम द्वारा बड़े स्तर पर संयुक्त अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई में निगम की तीन अलग-अलग शाखाओं ने समन्वित रूप से हिस्सा लेते हुए अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कदम उठाए।

अभियान की शुरूआत भू-संपदा शाखा की टीम द्वारा की गई, जिसमें सड़क से सटे अतिक्रमित क्षेत्रों की नापी कर वास्तविक सीमा का निर्धारण किया गया। इस दौरान कई स्थानों पर सड़क की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को चिन्हित किया गया।

इसके बाद इंफोर्समेंट सेल की टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाकर क्षेत्र को मुक्त कराया गया, जिससे आम नागरिकों की आवाजाही सुगम हो सके और यातायात व्यवस्था में सुधार हो।

वहीं नगर निवेशन शाखा द्वारा क्षेत्र में बने अवैध मकानों एवं बिना स्वीकृति निमार्णों को चिन्हित करते हुए संबंधित लोगों को नोटिस जारी किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भवन निर्माण नियमों के उल्लंघन पर आगे भी नियमानुसार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर को अतिक्रमण मुक्त एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण न करें तथा किसी भी निर्माण से पूर्व आवश्यक स्वीकृति अवश्य प्राप्त करें।

हाउस लिस्टिंग कार्यों की नगर आयुक्त ने की समीक्षा

रांची : जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत संचालित हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग सेंसस कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु मंगलवार को नगर आयुक्त-सह-प्रधान जनगणना पदाधिकारी सुशांत गौरव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में जनगणना कार्यों की वर्तमान स्थिति, क्षेत्रवार प्रगति, फील्ड स्तर पर आ रही चुनौतियों तथा समयबद्ध निष्पादन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को कार्यों में गति लाने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी गतिविधियों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं और नीति निर्माण की आधारशिला है, इसलिए इसकी गुणवत्ता और शुद्धता सुनिश्चित करना सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

समीक्षा के दौरान फील्ड स्तर पर कार्यरत प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों द्वारा आ रही तकनीकी एवं व्यावहारिक समस्याओं पर भी चर्चा की गई। नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि डेटा संकलन, डिजिटल एंट्री, मोबाइल एप्लीकेशन संचालन सहित सभी तकनीकी बाधाओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि कार्य प्रभावित न हो।

उन्होंने चार्ज ऑफिसर्स को फील्ड कर्मियों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने और समस्याओं का तुरंत समाधान करने का भी निर्देश दिया।

बैठक में यह भी बताया गया कि कुछ क्षेत्रों में नागरिकों द्वारा आवश्यक जानकारी साझा करने में संकोच किया जा रहा है। इस पर नगर आयुक्त ने अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित मॉनिटरिंग, दैनिक समीक्षा तथा जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना कर्मियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें, ताकि यह राष्ट्रीय महत्व का कार्य सफलतापूर्वक और समय पर पूरा किया जा सके। बैठक में उप निदेशक-सह-उप मुख्य प्रधान जनगणना पदाधिकारी केश्य नाइक.आर, चार्ज ऑफिसर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

विशेष गहन पुनरीक्षण एवं जनगणना कार्य की हुई समीक्षा

कार्य नहीं करनेवाले बीएलओ पर होगी कानूनी कार्रवाई : डीसी

पात्र मतदाताओं की मैपिंग एवं जनगणना कार्य में तेजी लाने का निर्देश

संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय स्थित एनआईसी सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) एवं जनगणना कार्य से संबंधित महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण एवं जनगणना कार्यों की प्रगति को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी, रांची जिला अंतर्गत सभी सात विधानसभा क्षेत्रों के निवार्ची निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ), सहायक निवार्ची निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ), जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी-सह-उप जिला जनगणना पदाधिकारी सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

बैठक में उपायुक्त ने जिले में चल रहे मतदाता मैपिंग कार्य की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी ईआरओ एवं एईआरओ को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में अनमैप्ड मतदाताओं की पहचान एवं मैपिंग की प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता एवं समावेशिता सुनिश्चित करना निर्वाचन प्रक्रिया की महत्वपूर्ण कड़ी है, इसलिए किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटना नहीं चाहिए।

मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी मतदान केंद्रों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए), बूथ लेवल एजेंट-2, बीएलओ सुपरवाइजर एवं बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की बैठकें शीघ्र आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीएलए-२ एवं बीएलओ आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि मतदाता सत्यापन एवं मैपिंग की प्रक्रिया अधिक प्रभावी ढंग से संपन्न हो सके।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने निर्देश दिया कि बीएलए-2 एवं बीएलओ मतदाताओं को घोषणा-पत्र एवं गणना-पत्र के साथ संलग्न किए जाने वाले 11 प्रकार के स्वीकृत दस्तावेजों की स्पष्ट जानकारी दें, जिससे मतदाता सत्यापन प्रक्रिया में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने का भी निर्देश दिया।

बैठक के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त बीएलओ संबंधी शिकायतों पर मंजूनाथ भजन्त्री ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले बीएलओ के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

विशेष गहन पुनरीक्षण के सफल संचालन के लिए मंजूनाथ भजन्त्री ने अधिकारियों को प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करने, क्षेत्रीय भ्रमण बढ़ाने तथा प्राप्त शिकायतों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः पालन करते हुए सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं।

बैठक में जिले में चल रहे जनगणना कार्यों की भी समीक्षा की गई। प्रधान जनगणना पदाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने जनगणना से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को कार्य की गुणवत्ता एवं शुद्धता बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, इसलिए प्रत्येक परिवार एवं भवन का सही एवं अद्यतन विवरण दर्ज किया जाना आवश्यक है।

उपायुक्त ने जनगणना कार्य के दौरान भवनों पर लगाए जा रहे स्टिकरों को निर्धारित मानक के अनुसार सही स्थान पर सही तरीके से चिपकाने का निर्देश दिया, ताकि उनकी स्पष्ट पहचान बनी रहे और भविष्य में किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने जनगणना कार्य में संलग्न कर्मियों की नियमित मॉनिटरिंग तथा निर्धारित प्रक्रियाओं का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा।

नगर निगम में पार्किंग व्यवस्था को लेकर बैठक

सुधार व बेहतर संचालन पर दिया गया जोर

संवाददाता

रांची : उप नगर आयुक्त रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में रांची नगर निगम क्षेत्र के सभी आवंटित पार्किंग स्थलों के संवेदकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पार्किंग संचालन के दौरान उत्पन्न हो रही समस्याओं को समझना तथा उनके प्रभावी समाधान और व्यवस्था में सुधार को लेकर विचार-विमर्श करना था।

बैठक के दौरान संवेदकों ने पार्किंग स्थलों पर आने वाली विभिन्न व्यावहारिक कठिनाइयों, यातायात प्रबंधन, आम नागरिकों

की सुविधा, शुल्क संग्रहण, अतिक्रमण एवं संचालन से जुड़ी चुनौतियों को विस्तार से प्रस्तुत किया। उप नगर आयुक्त ने सभी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित बिंदुओं पर आवश्यक निर्देश एवं सुझाव दिए।

उप नगर आयुक्त रविन्द्र कुमार ने कहा कि नगर क्षेत्र में सुचारु एवं व्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था नागरिक सुविधा और यातायात नियंत्रण के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी संवेदकों को निर्देश दिया कि वे पार्किंग स्थलों पर निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करें तथा आम नागरिकों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखें। बैठक में पार्किंग व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित एवं नागरिक हितैषी बनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर चर्चा की गई। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि पार्किंग संचालन में आने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु नियमित समन्वय एवं प्रभावी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में संबंधित विभागीय पदाधिकारी एवं पार्किंग संवेदक उपस्थित थे।

वार्ड-30 में बिछाई गई अवैध पाइपलाइन हटाई गई

रांची : रांची नगर निगम की जलापूर्ति शाखा द्वारा शहर में अवैध जल संयोजन, अवैध भू-गर्भ जल निकासी एवं जल दोहन के विरुद्ध लगातार सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को वार्ड संख्या-30 अंतर्गत तिवारी गली क्षेत्र में विशेष जांच अभियान संचालित किया गया। जांच के दौरान पाया गया कि बिना किसी सक्षम अनुमति के सड़क को खोदकर अवैध जल संयोजन के उद्देश्य से पाइपलाइन बिछाई गई थी, जो नगर निगम के नियमों एवं प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। स्थानीय निवासियों से पूछताछ में अधिकांश लोगों ने उक्त पाइपलाइन एवं संभावित अवैध जल संयोजन के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी होने से इनकार किया। किसी भी व्यक्ति द्वारा इसका स्वामित्व अथवा उपयोग स्वीकार नहीं किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए निगम की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से बिछाई गई पाइपलाइन को हटाकर जब्त कर लिया तथा क्षेत्र को पूर्ववत स्थिति में बहाल करने की प्रक्रिया प्रारंभ की। रांची नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुमति जलापूर्ति नेटवर्क में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप, अवैध जल संयोजन, पाइपलाइन बिछाना अथवा सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुंचाना दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी स्थिति में बिना अनुमति जल संयोजन न लें तथा जलापूर्ति संबंधी आवश्यकताओं के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर विधिवत स्वीकृति प्राप्त करें। साथ ही निगम ने यह भी आग्रह किया है कि यदि किसी क्षेत्र में अवैध जल संयोजन, अवैध बोरिंग, भू-गर्भ जल दोहन अथवा जलापूर्ति नेटवर्क से छेड़छाड़ की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तुरंत रांची नगर निगम के टोल फ्री नंबर 18005701235 पर दें।

522 ग्राम अवैध अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

चतरा : जिले में अफीम तस्करों के खिलाफ हुई एक कार्रवाई में आज तड़के पुलिस ने सदर थाना क्षेत्र के पाराडीह जंगल से अफीम की बिक्री करते हुए 522 ग्राम अवैध अफीम के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। इस आशय की जानकारी देते हुए चतरा एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने बताया कि मंगलवार की तड़के करीब 5 बजे पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को गुप्त सुचना प्राप्त हुई थी कि सदर थाना अन्तर्गत पाराडीह जंगल मे एक-दो आदमी अफीम का खरीद-बिक्री कर रहे है। उक्त सुचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुये चतरा के अंचलाधिकारी अनिल कुमार के नेतृत्व मे एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा उक्त सुचना के आलोक मे पाराडीह जंगल के पास दाहिने कच्चे रास्ते के पास छापामारी कर लावालौंग थाना क्षेत्र के हेडुम गांव निवासी रूपेश कुमार (21 वर्ष) पिता होरिल यादव एवं इटखोरी थाना क्षेत्र के परसौनी गांव के दिपांशु कुमार यादव (20 वर्ष) पिता शंकर यादव को 522 ग्राम अवैध के साथ गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने दोनो के पास से ओप्पो कम्पनी का मोबाईल भी बरामद किया है। उन्होंने बताया कि बरामद अफीम की अनुमानित मूल्य 2 लाख 50 हजार रु है।

सीसीएल मुख्यालय में तीन दिवसीय आधार नामांकन शिविर शुरू

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय, दरभंगा हाउस स्थित गंगोत्री कन्वेंशन सेंटर में मंगलवार को तीन दिवसीय आधार नामांकन एवं अद्यतन शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्घाटन सीसीएल के महाप्रबंधक (मानव संसाधन/कल्याण) संजय कुमार ठाकुर ने किया।

इस अवसर पर आदिल हुसैन, प्रबंधक (खेल) सहित बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी एवं उनके परिजन उपस्थित रहे। यह विशेष शिविर 2 जून से 4 जून 2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कर्मचारियों और उनके आश्रितों को आधार नामांकन तथा अद्यतन की सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

शिविर में 0 से 5 वर्ष, 5 से 18 वर्ष तथा 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों के लिए आधार नामांकन एवं अद्यतन की व्यवस्था की गई है। इससे कर्मचारियों और उनके परिवारजनों को आधार संबंधी सेवाओं के लिए अलग-अलग कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा।

शिविर के प्रथम दिन लाभार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में लोग आधार नामांकन एवं अद्यतन कराने पहुंचे। पहले ही दिन लगभग 40 व्यक्तियों का आधार नामांकन और अद्यतन कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

लाभार्थियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सीसीएल द्वारा कर्मचारियों और उनके आश्रितों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोजित यह शिविर बेहद उपयोगी है। इससे आधार संबंधी सेवाएं सुगमता, सुलभता और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध हो रही हैं।

सीसीएल प्रबंधन ने कहा कि कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के कल्याण के लिए संस्थान समय-समय पर ऐसी जनोपयोगी और सुविधापरक पहल करता रहा है। इसका उद्देश्य आवश्यक सेवाओं को लोगों के निकट उपलब्ध कराना तथा उनकी दैनिक जरूरतों का सरल और त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीसीएल में 250 बच्चों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

चित्रकला, स्लोगन लेखन और निबंध प्रतियोगिताओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

संवाददाता

रांची : विश्व पर्यावरण दिवस-2026 पर सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के पर्यावरण विभाग द्वारा बच्चों के लिए चित्रकला, स्लोगन लेखन एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस वर्ष की वैश्विक थीम ह्लप्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिएह्व के अनुरूप आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था।

प्रतियोगिताओं में विभिन्न आयु वर्गों के लगभग 250 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपने चित्रों, स्लोगनों और निबंधों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण तथा सतत जीवनशैली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में सीसीएल के निदेशक (योजना एवं परियोजना) अनुप हंजुरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों और युवाओं में पर्यावरणीय चेतना विकसित करना समय की आवश्यकता है। आज की युवा पीढ़ी ही कल के सतत और हरित भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने में बच्चों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल बच्चों की सृजनात्मक क्षमता को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए भी प्रेरित करते हैं। यह आयोजन युवा प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ पृथ्वी की रक्षा और सतत विकास के लिए सामूहिक उत्तरदायित्व का संदेश भी देता है। सीसीएल प्रबंधन के अनुसार प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सीसीएल मुख्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम में सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा।

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. – 1, RANCHI
(Behind State Guest House Morhabadi) Dindayal Nagar Booty Road Ranchi-834008

VERY SHORT TERM E-QUOTATION INVITATION NOTICE FOR RATE PURPOSE ONLY
Quotation Reference No: BCD/Bld. Div. No.- 1 --- 05/2026-27

Sealed Quotations are invited for the work **(1) Installation of New Lift in Main Building at Civil Court, Ranchi (2) Installation of New Lift in C.B.I. Building at Civil Court, Ranchi** or all Materials from Reputed Shop Keepers/ Manufacturers / Suppliers / Retailers / Distributors and Registered B.C.D. Contractors for following items. They should quote their rates for unit mentioned in the table. If they do not deals all of the below mentioned items then they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals. The rates should be exclusive of all types of Taxes, GST, Contractor's Profit and overhead charges etc. but inclusive of Royalty. All Rates should be exclusive of Labour Cess.

Terms and Condition
1. The quotationer shall furnish Pan, GST registration no.
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason thereof.

नोट :–(1)वेबसाईट में ई–कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि : 10-06-2026 के अपराह्न 1:00 बजे तक।
(2)ई–कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय 11-06-2026 अपराह्न 1:30 बजे।
(3)ई–कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची।
(4)ई–कोटेशन प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० : 8527519262
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

Nodal Officer,e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer
PR 381337 (Building)26-27*D Building Construction Department,Building Division No.-1, Ranchi

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

देश की अधिकतर नदी बेसिन गंभीर जल संकट के कगार पर

भीषण गर्मी और लू की वजह से पूरे भारत में जल आपूर्ति की समस्या तेजी से बढ़ रही है। उत्तर भारत के कई शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है और रात में भी तापमान लगातार ऊंचा रहने से पानी तथा बिजली की मांग बढ़ रही है। सुपर अल नीनो के कारण बारिश में व्यवधान की आशंका से समस्या और गंभीर हो सकती है। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार जिन 166 जलाशयों पर नजर रखी जा रही है, उनमें 30 अप्रैल को मौजूद 71.08 अरब घन मीटर पानी 14 मई तक घटकर 63.23 अरब घन मीटर ही रह गया है। यानी सिर्फ दो हफ्तों में लगभग 8 अरब घन मीटर की गिरावट आई है। तेरह प्रमुख जलाशयों में जल स्तर अपने सामान्य भंडारण स्तर के आधे से भी कम रह गया है। यह समस्या तब आ रही है, जब भारत में पानी का बहुत अधिक इस्तेमाल करने वाले क्षेत्रों में गतिविधियां बढ़ी हैं। इनमें एथनॉल मिश्रण, डेटा सेंटर, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का ढांचा और विनिर्माण शामिल हैं। इनमें से कई निवेश पानी के संकट वाले क्षेत्रों में हो रहे हैं। महाराष्ट्र और कर्नाटक बार-बार सूखे और भूजल स्तर में गिरावट की समस्या से जूझते रहे हैं मगर गन्ने की खेती और एथनॉल उत्पादन बढ़ता जा रहा है, जबकि गन्ने की खेती में पानी की सबसे ज्यादा खपत होती है।इसी तरह अक्सर शहरी जल संकट से जूझने वाले महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना और कर्नाटक डेटा सेंटर के बड़े अड्डे बनते जा रहे हैं। हाइपरस्केल डेटा सेंटरों को ठंडा रखने के लिए बड़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है।मुद्दा यह नहीं है कि इन क्षेत्रों का विस्तार होना चाहिए या नहीं, मुद्दा यह है कि औद्योगिक और ऊर्जा नीतियां जल विज्ञान संबंधी हकीकत के मुताबिक हैं या नहीं। औद्योगिक स्थलों के चयन, शहरी नियोजन और कृषि प्रोत्साहन में जल की उपलब्धता प्रमुख मानदंड होना चाहिए। इस व्यापक संकट के परिणाम भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्पष्ट दिख रहे हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान के बाड़मेर जिले में एक लिफ्ट नहर के बंद होने से कई गांव इकलौते हैंडपंप पर निर्भर हो गए हैं। दिल्ली में यमुना में पानी कम होने और प्रदूषण बढ़ने से जल शोधन क्षमता कम हो गई है, जबकि गर्मियों के महीनों में पानी की मांग बढ़ जाती है, इसलिए शहर को पड़ोसी राज्यों से मदद मांगनी पड़ रही है। वर्ष 2024 के बेंगलूरु जल संकट ने यह दिखाया कि भूजल भंडार कम होने, झीलों पर अतिक्रमण होने और वर्षा जल संचयन नियमों का ठीक से पालन न होने पर शहरी जल व्यवस्था कितनी तेजी से चरमरा सकती है। यह संकट अब केवल वर्षा की कमी तक सीमित नहीं है। तापमान बढ़ने से ज्यादा पानी भाप बनकर उड़ रहा है और भूजल स्तर गिरता जा रहा है। भारत लगभग 251 अरब घन मीटर सालाना भूजल दोहन पहले से करता आ रहा है, जो विश्व में कुल दोहन का लगभग एक चौथाई है। 1950 में यहां हर व्यक्ति के लिए लगभग 5,000 घन मीटर पानी उपलब्ध था, जो 2021 में घटकर 1,486 घन मीटर रह गई है, जिसमें और भी कमी आने का अनुमान है।

ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद के शोध से पता चलता है कि भारत के 15 प्रमुख नदी बेसिनों में से 11 गंभीर जल संकट के कगार पर हैं। जल की कमी और संकट के व्यापक आर्थिक परिणाम भी हो सकते हैं। खाद्य उत्पादन पर इसका असर पड़ा तो महंगाई तेजी से बढ़ सकती है, जिसके व्यापक नीतिगत प्रभाव हो सकते हैं।

दुर्भाग्यवश स्थानीय निकाय पेयजल संबंधी आपात स्थितियों से निपटने के लिए ठीक से तैयार नहीं हैं। तेजी से शहरीकरण होने के बाद भी अधिकतर शहरों में अभी व्यापक जल सुरक्षा योजनाएं नहीं हैं। नगरपालिकाएं भूजल दोहन, आपात स्थितियों के दौरान टैंकरों द्वारा आपूर्ति और संकट में अस्थायी प्रतिक्रियाओं पर ज्यादा निर्भर हैं।

कुछ अध्ययनों के अनुसार बिजली के पारेषण और वितरण में भी 40 प्रतिशत तक नुकसान होता है। इसलिए जरूरी है कि शहर अपने यहां जल भंडारण का ढांचा मजबूत करें, आवासीय और व्यावसायिक भवनों में वर्षा जल संचयन लागू करें, झीलों और दलदली भूमि को वापस जीवित करें, पाइपलाइन से लीकेज कम करें और अपशिष्ट जल शोधन की प्रक्रिया का विस्तार करें। भारत को अपने जल संसाधनों के प्रबंधन के लिए एक व्यापक और समग्र दीर्घकालिक योजना की आवश्यकता है।

स्मृति शेष: स्वर साधिका सुमन कल्याणपुर

भारतीय फिल्म संगीत के स्वर्णिम अध्याय का एक और अमूल्य पृष्ठ 31 मई 2026 को सदा के लिए इतिहास बन गया। सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन के साथ वह युग लगभग पूर्णतः स्मृतियों में विलीन हो गया, जिसने भारतीय संगीत जगत को मोहम्मद रफी, किशोर कुमार, लता मंगेशकर, आशा भोसले, मन्ना डे, मुकेश और सुमन कल्याणपुर जैसे कालजयी रत्न प्रदान किए थे। मुंबई स्थित अपने निवास पर 89 वर्ष की आयु में सुमन कल्याणपुर ने अंतिम सांस ली। उनके निधन से संगीत-प्रेमियों में शोक की लहर दौड़ गई।

वर्ष 1937 में 28 जनवरी को तत्कालीन ब्रिटिश भारत के ढाका (अब बांग्लादेश) में जन्मी सुमन का मूल नाम सुमन हेम्माडी था। बचपन से ही उन्हें संगीत और चित्रकला में रुचि थी। उन्होंने मुंबई के प्रतिष्ठित जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट में अध्ययन किया, किंतु नियति ने उन्हें रंगों की दुनिया से निकाल कर सुरों के आकाश का सितारा बना दिया। शास्त्रीय संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्होंने 1950 के दशक में गायन की दुनिया में कदम रखा। वर्ष 1958 में उद्योगपति रमणंद कल्याणपुर से विवाह के बाद वे सुमन कल्याणपुर के नाम से प्रसिद्ध हुईं। जिस समय लता मंगेशकर और आशा भोसले का वर्चस्व था, उस दौर में अपनी अलग पहचान बनाना किसी चुनौती से कम नहीं था। सुमन कल्याणपुर की आवाज में ऐसी मधुरता थी कि कई बार श्रोता उन्हें लता मंगेशकर समझ बैठते थे। किंतु समय के साथ उन्होंने सिद्ध कर दिया कि वे किसी की छाया नहीं बल्कि स्वयं एक विशिष्ट स्वर संस्था हैं। उनके गीत आज भी संगीत प्रेमियों की स्मृतियों में जीवित हैं। ह्लपरबतों के पेड़ों पर शाम का बसेरा हैह्व, ह्लमेरे महबूब न जाह्व, ह्लअजहूं न आए बालमाह्व, ह्लन तुम हमें जानोह्व, ह्लदिल एक मंदिर हैह्व, ह्लतुमने पुकारा और हम चले आएह्व, ह्लये किसने गीत छेड़ाह्व, ह्लना-ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठेह्व, ह्लआजकल तेरे-मेरे प्यार के चर्चेह्व, ह्लबहना ने भाई की कलाई से प्यार बांधा हैह्व जैसे अनगिनत गीत उनकी अमर धरोहर हैं। मोहम्मद रफी के साथ उनकी युगल गायिकी हिंदी फिल्म संगीत की अमूल्य निधि मानी जाती है। हिंदी के अतिरिक्त उन्होंने मराठी, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, असमिया, भोजपुरी, उड़िया, पंजाबी और अन्य भारतीय भाषाओं में भी उन्होंने लगभग 700 से अधिक फिल्मी और गैर-फिल्मी गीतों को अपनी आवाज दी। संगीत के क्षेत्र में अप्रतिम योगदान के लिए सुमन कल्याणपुर को अनेक सम्मान प्राप्त हुए। ह्यसुर श्रृंगार संसदह्ल पुरस्कार, महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रदत्त ह्यलता मंगेशकर पुरस्कारह्ल के साथ वर्ष 2022 में उन्हें ह्यमिर्ची म्यूजिक लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्डह्ल प्रदान किया गया। वर्ष 2023 में भारत सरकार ने उन्हें देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान ह्यपद्म भूषणह्ल से अलंकृत किया। उनके निधन के बाद अनेक कलाकारों और संगीतकारों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वरिष्ठ गायिका कविता कृष्णमूर्ति ने उन्हें ह्लउस युग की अंतिम महान गायिकाह्ल बताया। सुमन कल्याणपुर का जाना एक युग का अवसान अवश्य है, किंतु उनकी संगीत-साधना भारतीय संस्कृति की धरोहर बनकर सदैव जीवित रहेगी। भारतीय संगीत-जगत की इस महान स्वर-साधक को विनम्र श्रद्धांजलि।

युवा व उभरते खिलाड़ियों को आईपीएल दे रहा बड़ा अवसर

‘आईपीएल-2026 कई कीर्तिमानों व रोचक पलों के लिए याद किया जाएगा। आईपीएल- 2026 में कुछ नए सितारों का उदय हुआ, कुछ पुराने खिलाड़ियों ने अपनी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करके लोगों का ध्यान आकर्षित किया। वैभव रघुवंशी: बल्लेबाजी में राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय वैभव रघुवंशी ने अपने पहले ही पूरे सत्र में बेहद आक्रामक व तूफानी बल्लेबाजी से सभी को सम्मोहित करने मे सफलता प्राप्त की।’

मृत्युंजय दीक्षित

क्रिकेट के आईपीएल टी-20 का तूफान अगले सत्र तक के लिए शांत हो चुका है लेकिन 2026 आईपीएल की गहन समीक्षा जारी है। रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरू ने अपने गेंदबाजों और बल्लेबाजों के करिश्माई प्रदर्शन के चलते खिताब बचाने में सफलता प्राप्त की और लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्रॉफी उठाई। एक बार फिर विराट कोहली जीत के नायक बने। आईपीएल-2026 में विराट ने अपने प्रदर्शन से उन आलोचकों को करारा उत्तर दिया जिन्होंने विराट को कई फॉर्मेट से संन्यास लेने के लिए मजबूर किया। विराट ने खेल के मैदान में एक बार फिर जता दिया कि लक्ष्य का पीछा करने में अभी भी उनका कोई सानी नहीं है और आज भी खेल की ऐसी स्थितियों के सबसे बड़े महारथी हैं। आईपीएल के फाइनल में विराट एक छोर पर डटे रहे और 42 गेंदों में 75 रन बनाकर अपनी टीम को जिताने में सफल रहे। शुभमन गिल के नेतृत्व वाली गुजरात टाइटंस को अपने ही मैदान में निराश होना पड़ा।

आईपीएल-2026 कई कीर्तिमानों व रोचक पलों के लिए याद किया जाएगा। आईपीएल- 2026 में कुछ नए सितारों का उदय हुआ, कुछ पुराने खिलाड़ियों ने अपनी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करके लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

वैभव रघुवंशीः बल्लेबाजी में राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय वैभव रघुवंशी ने अपने पहले ही पूरे सत्र में बेहद आक्रामक व तूफानी बल्लेबाजी से सभी को सम्मोहित करने मे सफलता प्राप्त की। सत्र की समाप्ति तक वैभव भारत के दुलारे बन गए। वैभव दो बार शतक के बेहद करीब आकर भी शतक बनाने से चूक गए नहीं तो एक यह रिकार्ड भी उनके नाम हो जाता। वैभव अपने पहले ही सत्र में ऑरेंज कैप अवार्ड जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। वैभव ने आईपीएल- 2026 में सबसे अधिक 776 रन बनाए और छक्कों के मामलों में वेस्टइंडीज के तूफानी क्रिस गेल का 14 साल पुराना 59 छक्कों का रिकार्ड ध्वस्त कर दिया। वैभव ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान चौकों-छक्कों की बारिश करते हुए कुल 63 चौके और 72 छक्के लगाए। वैभव ने 16 मैचों की 16 पारियों में 48.50 के औसत और 237.30 स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। इनमें एक शतक तथा 5 अर्धशतक शामिल हैं।

दूसरे स्थान पर गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज कप्तान शुभमन गिल रहे जिन्होंने 732 रन बनाए और तीसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के ही बल्लेबाज साई सुदर्शन रहे जिन्होंने 722 रन बनाए और आईपीएल -2026 में चमकदार बल्लेबाज बनकर उभरे। साई सुदर्शन भी क्रिकेट प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहे। क्रिकेट कमेंटर्स, समीक्षक तथा विश्लेषकों ने साईं के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि वह आने वाले समय में भारत की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का अहम हिस्सा हो सकते हैं।

आईपीएल से उभरे नए खिलाड़ियों में वैभव के लिए भारत की राष्ट्रीय टीम में शामिल होने का द्वार खुल गया है। वैभव को भारत-ए की टीम मे शामिल कर लिया गया है और उनका पहला विदेशी दौरा श्रीलंका की धरती से शुरू होगा जहां त्रिकोणीय श्रृंखला खेली जानी है। वैभव का नाम सितंबर-अक्टूबर में जापान मे आयोजित होने जा रहे एशियाई खेलों की क्रिकेट टीम में भी शामिल किया गया है। वैभव की अग्निपरीक्षा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व दक्षिण अफ्रीका के मैदानों पर होगी क्योंकि इन देशों की पिचें काफी तेज मानी जाती हैं।

वैभव, शुभमन और साईं के अलावा यशस्वी जायसवाल, राजस्थान के रियान पराग आदि ने भी अच्छा प्रदर्शन कर लोगों को आकर्षित किया।

गेंदबाजीः भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे बंगलुरू के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार सर्वाधिक 28 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे और अपनी फिटनेस को साबित किया दूसरे नंबर पर ज्योफ्रा आर्चर रहे जिन्होंने अपनी टीम के लिए 25 विकेट लिए। इस लिहाज से देखें तो आईपीएल-2026 नए गेंदबाजों को तलाशने में नाकाम रहा। इस बार बल्लेबाज ही पूरे सत्र में छाए रहे। हार्दिक पांड्या जैसे गेंदबाजों के लिए यह सीजन बुरे सपने जैसा रहा।

नाम बड़े दर्शन छोटेः आईपीएल सीजन- 2026 में 10 महंगे खिलाड़ी लगभग 125 करोड़ में बिके लेकिन ये नाम बड़े और दर्शन छोटे की कहावत सिद्ध करने में लगे रहे। कोलकाता के कैमरून ग्रीन, चेन्नई के कार्तिक शर्मा, चेन्नई के ही प्रशांत वीर, राजस्थान के रवि विश्वनोई, दिल्ली के आकिब अली, लखनऊ के जोस इंग्लिस, हैदराबाद के लिविंगस्टोन आदि खिलाड़ी पूरी तरह से नाकाम रहे।

आईपीएल-2026 में किसी भी टीम का कप्तान अपने घरेलू मैदानों पर अपने मन की पिच नही बनवा सका और न ही विजय प्राप्त कर सका। फाइनल मुकाबले में भी यह देखने को मिला, जहां अहमदाबाद में गुजरात को अपने ही स्टेडियम में हार का सामना करना पड़ा। लखनऊ की टीम भी अपने ही मैदान में हारती चली गई। आईपीएल-2026 क्रिकेट प्रेमियों को कई यादगार अनुभव देकर विदा हुआ है, यह वैभव के साथ-साथ दूसरी उभरती प्रतिभाओं के लिए मार्ग खोल कर विदा हुआ है।

राजघाट से शांतिवन: कौन शामिल होते हैं सर्वधर्म प्रार्थना सभा में

‘ये चेहरे वास्तव में भारत की आत्मा हैं, जहां विविधता में एकता जीवित है। सर्वधर्म प्रार्थना सभाएं हमें बार-बार याद दिलाती हैं कि गांधीजी का सपनों का भारत सबका है, जिसमें हर धर्म को सम्मान मिलता है। मकसूद अहमद शांतिवन और राजघाट पर कुरान की आयतें पढ़ते हैं। वे पूर्व राष्ट्रपतियों के.आर. नारायणन, प्रणव मुखर्जी तथा प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में भी शामिल हो चुके हैं।’

-विवेक शुक्ला

भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर 27 मई को सुबह उनकी समाधि शांतिवन में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इससे पहले ही वहां विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु, विद्वान और श्रद्धालु वहां पहुंचने लगे थे। इनमें अधिकांश वे चेहरे थे जो गांधी समाधि राजघाट पर 2 अक्टूबर और 30 जनवरी को भी नियमित रूप से दिखाई देते हैं। ये सभी अपने-अपने धर्मो की पवित्र पुस्तकों से प्रार्थना के दौरान पाठ करते हैं।

गत दो-ढाई दशकों से शांतिवन और राजघाट पर बाइबिल का पाठ करने वाले जॉर्ज सोलोमन तुर्कमान गेट स्थित ट्रिनिटी चर्च में पादरी हैं। वे दिल्ली और हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैंब्रिज स्कूल की प्रबंधन समिति से भी जुड़े हैं। वे कहते हैं, ह्लभारत में सरकारी स्तर पर सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन इस बात का प्रमाण है कि यह देश सबका है। बाइबिल भी प्रेम और भाईचारे का संदेश देती है।

ये चेहरे वास्तव में भारत की आत्मा हैं, जहां विविधता में एकता जीवित है। सर्वधर्म प्रार्थना सभाएं हमें बार-बार याद दिलाती हैं कि गांधीजी का सपनों का भारत सबका है, जिसमें हर धर्म को सम्मान मिलता है। मकसूद अहमद शांतिवन और राजघाट पर कुरान की आयतें पढ़ते हैं। वे पूर्व राष्ट्रपतियों के.आर. नारायणन, प्रणव मुखर्जी तथा प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में भी शामिल हो चुके हैं। एंग्लो अरबी स्कूल में जीव विज्ञान के शिक्षक मकसूद अहमद कहते हैं कि कुछ दिमागी रूप से असंतुलित लोग इन सभाओं की भी आलोचना करने लगे हैं।

डॉ. बलदेव आनंद सागर 2 अक्टूबर और 30 जनवरी की विशेष तिथियों पर सर्वधर्म प्रार्थना में गीता पाठ करते हैं। वे बताते हैं कि पहली बार राजघाट पर इस सभा का हिस्सा बनने पर जो अनुपम अनुभूति हुई, वह आज भी उनके मन में ताजा है। राजघाट पर वे गीता के 5-6 श्लोक पढ़ते हैं, जबकि 30 जनवरी मार्ग पर पंचदेव-सूर्य, गणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु-की प्रार्थना का पाठ करते हैं। वे मानते हैं कि सनातन परंपरा में इन सभी देवताओं की पूजा अनिवार्य है।

सर्वधर्म प्रार्थना का सुंदर विचार महात्मा गांधी ने विश्व को दिया था। उनके जीवनकाल में ही इसकी शुरूआत हुई और आज भी यह परंपरा पूरे जीवंत रूप में मौजूद है। इन सभाओं में बहाई, यहूदी, बौद्ध, जैन और सिख धर्मों के पवित्र ग्रंथों का भी पाठ किया जाता है। सर्वधर्म प्रार्थना का विचार अत्यंत व्यापक और महत्त्वपूर्ण है। यह संदेश देता है कि भारत में अलग-अलग धर्मों को मानने वाले लोग एक साथ बैठकर अपने धर्मग्रंथों के मुख्य संदेशों को साझा कर सकते हैं। इन सभाओं में भाग लेने वालों को 5100 रुपए का मानदेय मिलता है।

जॉर्ज सोलोमन विभिन्न स्थानों पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थनाओं में बाइबिल का पाठ करते हैं। वे कहते हैं कि नरेन्द्र मोदी की सरकार भारत में सबके साथ समान व्यवहार करती है। सरकारी आयोजनों में इन सभाओं का होना भारत सरकार के समान धार्मिक रवैये का प्रमाण है। बाइबिल सहित सभी धर्मग्रंथ प्रेम और भाईचारे का संदेश देते हैं। गांधीजी को दक्षिण अफ्रीका में बाइबिल और ईसाई धर्म को गहराई से समझने का अवसर मिला था।

85 वर्षीय कात्सू सान भारत सरकार द्वारा आयोजित प्रार्थना सभाओं के अलावा 2 अक्टूबर और 30 जनवरी को राजघाट तथा 30 जनवरी मार्ग (बिड़ला हाउस) पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं की स्थायी उपस्थिति हैं। उन्होंने डॉ. शंकर दयाल शर्मा, के.आर. नारायणन, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, प्रणव मुखर्जी, रामनाथ कोविंद जैसे राष्ट्रपतियों तथा इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी के समक्ष बौद्ध धर्मग्रंथों से प्रार्थना पढ़ी है।

संसद के नये भवन के भूमिपूजन के समय भी सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई थी। इन सभाओं में प्रत्येक धर्म के प्रतिनिधि को 5-6 मिनट का समय दिया जाता है।

धर्मनिरपेक्षता का अर्थ यह कदापि नहीं है कि कोई देश अपनी धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक आस्थाओं को त्याग दे। यह असंभव भी है। भारत के संविधान की मूल प्रति में अर्जुन को गीता का उपदेश देते श्रीकृष्ण की तस्वीर है। भगवान बुद्ध शांति का उपदेश देते दिखते हैं। हिंदू धर्म के प्रतीक शतदल कमल, राम, कृष्ण, नटराज के चित्र भी वहाँ मौजूद हैं। यदि आज ये चित्र लगाए जाते तो कुछ तथाकथित बुद्धिजीवी इन्हें सांप्रदायिक बताकर विरोध करते।

संविधान की मूल प्रति पर मुगल बादशाह अकबर, सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह, मैसूर के सुल्तान टीपू सुल्तान और 1857 की वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के चित्र भी हैं। इससे स्पष्ट है कि भारत के लिए धर्मनिरपेक्षता के अर्थ बहुत गहरे हैं। बिना मतलब विवाद खड़े करने वालों को इसे समझना चाहिए। सर्वधर्म प्रार्थना सभाएँ भारत की साझा संस्कृति और समावेशी लोकतंत्र की सुंदर अभिव्यक्ति हैं। ये हमें याद दिलाती रहेंगी कि विविधता हमारी ताकत है और एकता हमारा संकल्प।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार और जाने-माने स्तंभकार हैं।)

क्यों त्रिभुजाकार है केदारनाथ का शिवलिंग? पांडवों से जुड़ी है ये पौराणिक कथा

शिव पुराण में 12 ज्योतिर्लिंग का उल्लेख मिलता है, जिनको द्वादश ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जाता है। भगवान शिव को समर्पित ज्योतिर्लिंग देश के अलग-अलग जगहों पर स्थापित हैं। ज्योतिर्लिंगों को भगवान शिव की शक्ति का केंद्र माना जाता है। वहीं 12 ज्योतिर्लिंगों में केदारनाथ भी शामिल है। केदारनाथ मंदिर में स्थापित शिवलिंग का आध्यात्मिक महत्व बेहद अनोखा है। केदारनाथ मंदिर में शिवलिंग त्रिकोणीय आकार का है। यह एक विशाल चट्टान का हिस्सा है, जिसको स्वयंभू माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि केदारनाथ का शिवलिंग त्रिभुजाकार क्यों है।

त्रिभुजाकार शिवलिंग

पौराणिक कथा के मुताबिक महाभारत के युद्ध के बाद पांडवों को अपने कुल के लोगों की हत्या करने के बाद पछतावा हुआ। पांडव मृत्यु के पाप से छुटकारा पाना चाहते थे। इसलिए पांडव भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते थे, लेकिन भगवान शिव पांडवों से नाराज थे, जिस कारण उनको दर्शन नहीं देना चाहते थे। पांडवों से भगवान शिव रुष्ट थे, इसलिए पांडवों से बचने के लिए महादेव ने बैल का रूप धारण किया। लेकिन भीम बेहद शक्तिशाली थे। भीम ने भगवान शिव को पहचान लिया।

जब महादेव भीम से बचने के लिए धरती में समाने लगे, तो भीम ने शिव को पकड़ने की कोशिश की। बैल का पूरा हिस्सा धरती में धस गया, लेकिन पीठ का हिस्सा वहीं रह गया, आज वही त्रिकोणीय शिवलिंग भगवान शिव के रूप में पूजा जाता है।

केदारनाथ मंदिर विशाल पठार के बीच में बना है। 8वीं शताब्दी में जगद्गुरु आदि शंकराचार्य ने केदारनाथ मंदिर का निर्माण कराया था। वहीं मंदिर के मुख्य द्वार पर नंदी बैल की एक विशाल प्रतिमा मौजूद है, इस मंदिर का शिवलिंग त्रिदेवों का प्रतीक माना जाता है।

दूर-दूर से आते हैं श्रद्धालु

केदारनाथ में शिवलिंग के दर्शन के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु यहां पर आते हैं। वहीं मंदिर में दर्शन करने से भक्तों के मन को शांति मिलती है। स्कंद पुराण के केदारखंड में केदारनाथ के त्रिभुजाकार शिवलिंग के बारे में वर्णन मिलता है। इस बार 22 अप्रैल से केदारनाथ मंदिर की यात्रा शुरू हो गई है। वहीं मंदिर के कपाट नवंबर तक खुले रहेंगे।

टिप्स

शरीर पर नीले निशान सिर्फ चोट नहीं

गर्मी के मौसम में त्वचा पर बिना किसी स्पष्ट कारण के नीले या बैंगनी रंग के निशान दिखाई देना कई लोगों को परेशान कर सकता है। अक्सर इसे सामान्य मौसमी प्रभाव मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन हर बार ऐसा होना केवल बढ़ते तापमान से जुड़ा नहीं होता। कुछ मामलों में ये निशान शरीर में पोषक तत्वों की कमी, रक्त संबंधी समस्याओं या अन्य स्वास्थ्य स्थितियों की ओर भी इशारा कर सकते हैं। इसलिए त्वचा पर अचानक उभरने वाले ऐसे बदलावों पर ध्यान देना और उनके कारण को समझना महत्वपूर्ण है।

साइनोसिस क्या है ?

साइनोसिस का मतलब है त्वचा का नीला पड़ जाता है। यह तब होता है जब खून में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। खासकर होंठ, उंगलियों के सिरे, नाखूनों के नीचे की त्वचा या कभी-कभी पूरा शरीर हल्का नीला दिखाई देने लगता है। वैसे यह स्थिति आमतौर पर सामान्य नहीं मानी जाती है। इसका सीधा संबंध दिल या फेफड़ों की बीमारी से हो सकता है।

आपको बता दें कि, गर्मी पड़ने से सायनोसिस नहीं होता। लेकिन बहुत ज्यादा डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी होने से रक्त संचार प्रभावित हो सकता है और समस्या दिखाई देने लगती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके : सतीश चंद्रा

- कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर साहिबगंज में राउंड टेबल ओरिएंटेशन कार्यक्रम
- ग्राम सभा को सशक्त बनाने पर जोर, अधिकारियों व पारंपरिक प्रधानों को मिला पेसा कानून का प्रशिक्षण

संवाददाता

साहिबगंजः जिला प्रशासन के तत्वावधान में आज सिद्धो-कान्हो सभागार, साहिबगंज में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में पेसा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन विषयक एक दिवसीय राउंड टेबल ओरिएंटेशन अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसूचित क्षेत्रों में पेसा अधिनियम एवं उसके नियमों के संबंध में प्रशासनिक पदाधिकारियों और पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था से जुड़े प्रतिनिधियों को जागरूक संवेदन शील बनाना था। जिले के सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचल अधिकारी विभिन्न गांवों एवं प्रखंडों से आए पारंपरिक प्रधान मांझी परगना ग्राम प्रधान सहित अन्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। साथ ही राज्य मुख्यालय रांची से आए मास्टर ट्रेनर्स ने पेसा अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों व व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।मास्टर ट्रेनर्स ने अपने प्रस्तुतीकरण में बताया कि पेसा क्षेत्र में ग्राम सभा सर्वोच्च इकाई है। विकास योजनाओं के चयन क्रियान्वयन एवं सामाजिक-आर्थिक निर्णयों में ग्राम सभा की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने जनजातीय समुदाय की परंपरागत रूढ़ियों सांस्कृतिक पहचान, जल, जंगल एवं जमीन जैसे सामुदायिक संसाधनों के संरक्षण में ग्राम सभा व पारंपरिक प्रधानों की भूमिका को विस्तार से समझाया। साथ ही लघु वन उपज, स्थानीय बाजारों के प्रबंधन तथा लघु खनिजों से संबंधित अधिकारों के विषय में भी जानकारी दी गई। स्थानीय स्तर पर विवाद निवारण की पारंपरिक व्यवस्थाओं एवं प्रशासनिक समन्वय की प्रक्रियाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बताया कि पेसा कानून का मूल उद्देश्य अनुसूचित क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करना तथा ग्राम सभाओं को निर्णय प्रक्रिया में अधिक अधिकार प्रदान करना है।ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मुक्त संवाद एवं प्रश्नोत्तर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों ने पेसा नियमों के धरातलीय क्रियान्वयन, ग्राम सभा बैठकों के कोरम योजनाओं के अनुमोदन तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे। वहीं पारंपरिक प्रधानों ने भूमि संबंधी मामलों, ग्राम सभा के अधिकारों, प्रशासनिक सहयोग एवं स्थानीय समस्याओं के समाधान को लेकर अपनी जिज्ञासाएं एवं सुझाव साझा किए।झारखंड राज्य में लागू पेसा नियमावली एवं संबंधित कानूनी प्रावधानों का उल्लेख करते हुए सभी प्रश्नों का विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। उन्होंने प्रशासनिक पदाधिकारियों एवं पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था के प्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल दिया तथा ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। समापन अवसर पर उप विकास आयुक्त साहिबगंज ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों व अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के पारंपरिक प्रधानों के साथ नियमित बैठकें आयोजित करें ताकि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि पेसा नियमों का अक्षरशः अनुपालन किया जाए तथा ग्राम सभाओं के अधिकारों एवं निर्णयों का सम्मान सुनिश्चित किया जाए।उप विकास आयुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि इस अभिमुखीकरण कार्यक्रम से प्राप्त जानकारी एवं अनुभवों को पंचायत एवं ग्राम स्तर तक पहुंचाने के लिए विशेष जागरूकता अभियान संचालित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग पेसा अधिनियम के प्रावधानों और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकें।कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

जिला पुलिस प्रशासन की पहल सड़क सुरक्षा के प्रति एक महत्वपूर्ण कदम है : डीएसपी

संवाददाता

साहिबगंज : पुलिस अधीक्षक कार्यालय साहिबगंज में आईआरएडी इडीएआर प्रणाली से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े मामलों में त्वरित, सटीक एवं प्रभावी डाटा प्रबंधन, साथ ही पीड़ितों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को और अधिक सुगम बनाना था।

कार्यक्रम के तहत निम्न प्रमुख विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया इडीएआर पोर्टल के माध्यम से दुर्घटना से प्रभावित व्यक्तियों को शीघ्र मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया। सभी थानों द्वाराआईआरएडी इडीएआर पोर्टल पर दुर्घटना डेटा की समय पर एवं सटीक प्रविष्टि सुनिश्चित करना। एल्कोहो ब्रेथ एनालाइजर मशीन के आईआरएडी इडीएआर प्रणाली से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजिमाध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों की जांच की मानक प्रक्रिया। एचआईटी और आरयुएन मामलों के प्रभावी प्रबंधन से संबंधित दिशा-निर्देश। जीओओडी एसाएमआर आईटीएएननेक नागरिक से संबंधित प्रावधान एवं उनके संरक्षण के नियमों का प्रशिक्षण। इस अवसर पर मुख्यालय डीएसपी रवि कांत साव आईआरएडी ,इडीएआर मैनेजर मनोज कुमार, एनआइसी उपस्थिति रही।

बैठक के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, त्वरित केस प्रोसेसिंग, तथा सड़क सुरक्षा को और अधिक मजबूत एवं परिणामोन्मुख बनाया जाए। जिला पुलिस प्रशासन द्वारा यह पहल सड़क सुरक्षा के प्रति एक महत्वपूर्ण कदम है।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में अधिक आबादी वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर जल्द से जल्द कामों को निपटाएं : राकेश

संवाददाता

साहिबगंजःविद्युत सर्किल कार्यालय मे दुमका विद्युत आपूर्ति क्षेत्र महाप्रबंधक राकेश प्रसाद के नेतृत्व में एक बैठक बुलाई गई थी।जिसमे दुमका के महाप्रबंधक राकेश प्रसाद ने विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता कार्यालय में समीक्षा बैठक की ओर चल रहे योजना आरडीएसएस, मुजी ,पीएम जुगा योजना,स्कीम में चल रहे कार्यों के बारे में जानकारी हासिल की।जिसमें कार्य कर रहे एजेंसियों को बुलाकर छुटे हुए टोला ग्रामीण एवं शहर में चल रहे कार्यों को निर्धारित समय सीमा के पूर्व में काम करने का निर्देशित किया।साथ ही ग्रामीण में शहरी क्षेत्र में अधिक आबादी वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर जल्द से जल्द कामों को निपटारा करने को कहा गया।ओर उन्होंने यह भी कहा कि यह सभी कामों को बहुत जल्द तक पूरा कर लिया जाएगा।उन्होंने यह भी कहा कि जिस गांव मोहल्ले में बिजली लाइन का पॉल एवं तार चर्च स्थिति में अगर है तो उसे इस स्कीम के तहत जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा।इस बैठक में मौजूद विद्युत आपूर्ति क्षेत्र दुमका के महाप्रबंधक राकेश प्रसाद ने विशेष कर राजस्व को लेकर विद्युत विभाग के सभी कार्यपालक अभियंता,सहायक अभियंता कनीय अभियंता के साथ विभिन्न योजनाओं में चल रहे कार्यों की समीक्षा के बारे में विशेष कर राजस्व,बिलिंग,आदि की उगाई पर पूरा ज्यादा ध्यान देने को कहा।उन्होंने यह भी कहा कि पाकुड़ साहिबगंज जिले में चल रहे सभी कार्यों का एक-एक करके समीक्षा किया।उन्होंने जिले के विद्युत कार्यपालक अभियंता,सहायक अभियंता और कनीय अभियंता को कहा कि आप लोग अपने अपने क्षेत्रों में जाकर सभी कामों को पूरा करके जल्द से जल्द मुझे सूचित करें।

शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने की मांग हम लोगों ने गंभीरता से लिया है : पूर्व मंत्री

संवाददाता

साहिबगंज :बरहरवा प्रखंड मुख्यालय में शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी की ओर से जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने की मांग को लेकर 4 से 26 मई तक अनिश्चितकालीन धरना में धरना स्थल पर 26 मई 2026 को पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम व राजमहल विधायक एमटी राजा ने पहुंच कर धरना दे रहे।युवाओं को आश्वासन दिया था कि जांच कमेटी बनाकर जांच रिपोर्ट तैयार होगा इस दिशा में अब उनके आश्वासन के बाद अब उपायुक्त साहिबगंज के निर्देश के बाद आईटीडीए निदेशक की अध्यक्षता में बनी जांच समिति बन गई है।इस जांच समिति में अध्यक्ष के रूप में परियोजना निदेशक आईटीडीए सदस्य के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल भूमी सुधार उप समाहर्ता राजमहल,अंचल अधिकारी बरहरवा अंचल अधिकारी राजमहल शामिल है समिति के सदस्य अब ग्रामीण इलाके में जाएंगे और शेरशाहबादी समुदाय के लोगों के सहयोग से वहां उनके खान-पान रहन-सहन वेशभूषा भाषा संस्कृति आदि की जानकारी लेंगे और पूरी रिपोर्ट तैयार करने के बाद उपायुक्त को भेजेंगे अब उपायुक्त के माध्यम से राज्य सरकार को रिपोर्ट भेजी जाएगी मामले को लेकर पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने की मांग हम लोगों ने गंभीरता से लिया है कार्मिक विभाग के मंत्री सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी इस संबंध में मुलाकात कर इस समस्या का समाधान निकाला जाएगा।

संसार में ओम से बढ़कर कुछ नहीं हैः धर्मसागर महाराज

संवाददाता

हजारीबाग : मुनि श्री धर्म सागर जी महाराज, मुनि श्री भाव सागर जी महाराज के सान्निध्य में मंगलवार प्रातः में श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बडा. बाजार मंदिर हजारीबाग में विशेष मांगलिक क्रियाएं संपन्न हुई। इस अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री धर्मसागर जी महाराज ने कहा कि सभी संप्रदायों में ओम का महत्व है, ओम में तीन लोक गर्भित है। संसार में ओम से बढ़कर कुछ नहीं है,ओम मैं सब समाहित हो जाते हैं। मुनि श्री भावसागर जी महाराज ने कहा कि अच्छी जिंदगी जीने के लिए अच्छे फॉमूर्ले अपनाए गुड नेचर यानी अपना स्वभाव अच्छा रखे गुड टेंडेंसी अपनी प्रवृत्ति अच्छी खुश मिजाज मिलनसार रखे गुड मेंटालिटी अपनी मानसिकता अच्छी रखे गुड हैबिट अच्छी आदत डाले। हार के बाद भी अपनी तैयारी में कमी न आने दे। संध्या में महाआरती का एवं ओमाकार जाप का कार्यक्रम हुआ।

लगा जनता दरबार जमीन विवाद से लेकर पीएम आवास योजना तक की समस्याएं पहुंची

संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा प्रखंड परिसर स्थित। विधायक कक्ष में मंगलवार को नियमित रूप से आयोजित होने वाले जनता दरबार का आयोजन किया गया।जनता दरबार में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं आमजन अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे।कार्यक्रम का संचालन विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने किया।वही जनता दरबार में नासतारा खातून,किरण देवी,रसराज रजक,कमला बेवा,अनवारा बीबी,ललिता कुमारी,अजय कुमार राय,कल्पना दास,मेहबूब आलम,मोहम्मद अयूब अली अनारूल हाजी निसार मोहम्मद,रीना सोरेन सहित दर्जनों लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं और समाधान की मांग की।इस दौरान लोगों ने जमीन संबंधी विवाद,प्रधानमंत्री आवास योजना की लंबित किस्त,मंईया सम्मान योजना,पेयजल संकट,सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।कई लाभुकों ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की दूसरी किस्त का भुगतान समय पर नहीं होने की शिकायत दर्ज कराई।लाभुकों ने बताया कि किस्त की राशि नहीं मिलने के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है और उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराने का प्रयास किया।प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित लंबित मामलों को लेकर उन्होंने प्रखंड पीएमएवाई-जी आवास समन्वयक लखन मुर्मू को विधायक कक्ष में बुलाया और लाभुकों की समस्याओं से अवगत कराया।इस पर लखन मुर्मू ने बताया कि वर्तमान में योजना के लिए फंड उपलब्ध नहीं होने के कारण भुगतान में विलंब हो रहा है।उन्होंने आश्वस्त किया कि जैसे ही विभाग द्वारा राशि उपलब्ध कराई जाएगी,सभी लाभुकों की लंबित किस्तों का भुगतान कर दिया जाएगा।जनता दरबार में आए कई अन्य मामलों में विधायक प्रतिनिधि ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से दूरभाष के माध्यम से संपर्क स्थापित कर त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि जिन मामलों का समाधान तत्काल संभव नहीं है,उनकी नियमित निगरानी की जाएगी और संबंधित विभागों के समन्वय से जल्द से जल्द निष्पादन सुनिश्चित कराया जाएगा।इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य आम लोगों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक सुलभ मंच उपलब्ध कराना है।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ें,इसके लिए यह पहल लगातार जारी है।उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है।उन्होंने बताया कि नियमित रूप से आयोजित जनता दरबार के माध्यम से अब तक सैकड़ों लोगों की शिकायतों का समाधान किया जा चुका है।इस व्यवस्था से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को काफी राहत मिली है तथा उनकी समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया पहले की अपेक्षा अधिक सरल और प्रभावी हुई है।स्थानीय लोगों ने भी जनता दरबार की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल से जनप्रतिनिधियों और आम जनता के बीच संवाद मजबूत हुआ है।लोगों का मानना है कि नियमित सुनवाई और त्वरित कार्रवाई से प्रशासनिक व्यवस्था के प्रति विश्वास बढ़ा है तथा समस्याओं के समाधान में तेजी आई है।मौके पर जिला सोशल मीडिया चेयरमैन नेहाल अख्तर,काजल,गणेश साहा,विष्णु मॉल, छोटेलाल रमानी,दौरान चौधरी,अजित कुमार राय,आलमगीर मंसूरी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत है : रविकांत

साहिबगंजः-विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अधीन मेरा युवा भारत साहिबगंज की ओर से आज शहर में भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया।रैली को गैस गोदाम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।जो शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए सुभाष चौक पर संपन्न हुई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षक रविकांत तांती ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत है।उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे साइकिल चलाकर प्रदूषण कम करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लें।रैली में बड़ी संख्या में युवाओं,छात्रों और सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लिया।इस कार्यक्रम में स्लो साइकिल रेस का आयोजन किया गया।जिसमें प्रथम छोटी कुमारी द्वितीय गुड़िया कुमारी तृतीय लकी कुमार और अनिकेत और नमन कुमार को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।प्रतिभागियों ने 'पेड़ लगाओ,जीवन बचाओ',साइकिल चलाओ,पर्यावरण बचाओ'जैसे नारों के साथ लोगों को जागरूक किया।रैली का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाना और प्लास्टिक मुक्त साहिबगंज का संदेश देना था।कार्यक्रम का संचालन मेरा युवा भारत के स्वयंसेवकों ने किया।अंत में सुभाष चौक पर सभी प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

चोरी के मामला में चोर गिरफ्तार

साहिबगंजः जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के अंजुमन नगर निवासी मो. आसिफ को जिरवाबाड़ी पुलिस ने चोरी के मामले में गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि पूर्व में चोरी का मामला थाना में दर्ज हुआ था छानबीन के दौरान चोरी में मो. आसिफ की संलिप्तता पाई गई । जिसकी गिरफ्तारी गुप्त सूचना के आधार पर की गई और पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया।

हजारीबाग में बेलगाम हुए अपराधी, दिनदहाड़े महिला से चेन छिनी

हजारीबाग : शहर में अपराधियों के हौसले किस कदर बुलंद हो चुके हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे अब दिनदहाड़े वारदातों को अंजाम देने से भी नहीं कतरा रहे हैं। सोमवार को शहर में हुई छिनतई की चार घटनाओं के बाद मंगलवार सुबह भी अपराधियों ने अपना तांडव जारी रखा। नवाबगंज गली में दो बाइक सवार बदमाशों ने एक महिला को अपना निशाना बनाते हुए उसके गले से सोने की चेन झपट ली और आंखों से ओझल हो गए?

सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदातः मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता सुबह किसी काम से घर से बाहर निकली थी। जैसे ही वह नवाबगंज गली के पास पहुंची, पहले से घात लगाए बाइक सवार दो युवकों ने उसे रोक लिया। पीड़िता कुछ समझ पाती, उससे पहले ही पीछे बैठे युवक ने झपट्टा मारकर उसके गले से सोने की चेन खींच ली। घटना के तुरंत बाद अपराधी बाइक स्टार्ट कर तेजी से फरार हो गए। गनीमत रही कि वारदात पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें आरोपियों का चेहरा और उनके भागने की दिशा स्पष्ट नजर आ रही है।

पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवालः इस दुस्साहसिक घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी दहशत और आक्रोश है। लोगों का कहना है कि शहर के मुख्य और पॉश इलाकों में सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। सुबह के वक्त भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई इस वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की गश्त पर भी सवाल उठाए हैं।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांचः घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है। शहर के सभी संभावित रास्तों पर नाकेबंदी कर बदमाशों की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही अपराधियों को दबोच लिया जाएगा।

दिव्यांगो को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हुई पहल

हजारीबाग : जिला प्रशासन ने दिव्यांगों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल की है। मुख्यमंत्री दिव्यांग कल्याणार्थ योजना एवं अन्य मदों के तहत जिले के दिव्यांगजनों को अब निःशुल्क अत्याधुनिक सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

उद्देश्य : जिला समाज कल्याण विभाग के माध्यम से दी जाने वाली इस सुविधा का उद्देश्य दिव्यांगों को सशक्त बनाना है। डीसी हेमन्त सती ने बताया कि प्रशासन का लक्ष्य है कि दिव्यांगजन शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में बिना किसी बाधा के अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। योजना के तहत मिलने वाले उपकरण दिव्यांगों के आवागमन और दैनिक कार्यों को बेहद आसान बना देंगे।

उपकरणों की सूची : योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुसारबैटरी चालित ट्राईसाइकिल व सामान्य ट्राईसाइकिल,व्हीलचेयर, बैसाखी व वॉकिंग स्टिक, हियरिंग एड (सुनने की मशीन), ब्लाइंड स्टिक व स्मार्ट केन स्टिक, ज्योति एआई ग्लास व सीपी चेयर, कैलीपर्स व आर्टिफिशियल लेंस दिए जाएंगे।

आवेदन प्रक्रिया : जिला प्रशासन ने सभी पात्र दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें। आवेदन के साथ अपना दिव्यांगता प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। दिव्यांग संबंधित सीडीपीओ कार्यालय अथवा जिला समाज कल्याण कार्यालय, समाहरणालय भवन, तीसरा तल, कक्ष संख्या-301, हजारीबाग में 15 जुलाई तक आवेदन दे सकते हैं। प्रशासन की इस पहल से जिले के सैकड़ों दिव्यांगजनों के चेहरे पर मुस्कान आने की उम्मीद है। पात्र लोग इस अवसर का लाभ उठाकर अपने जीवन को सुगम बना सकते हैं।

प्रखंडवार संगठन मजबूती के लिए होगी बैठक

साहिबगंजः झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक जिला कमेटी की बैठक में निर्णय लिए गए प्रखंड वार संगठन मजबूती हेतु बैठक की घोषणा जिला अध्यक्ष प्रियतम कुमार पीयूष ने दी है।केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव के दिए गए निर्णय के अनुसार सभी प्रखंड नगर की बैठक तिथि वार तय की गई है।जिसमे बरहरवा प्रखंड नगर मे 4 जून को,साहिबगंज सदर प्रखण्ड नगर 6 जून,बरहेट ,बोरियो 7 जून,तालझारी 8 जून पतना 9 मई,राजमहल प्रखण्ड ,नगर 13 मई एवं मंडरो मे 21जून को होंगी।

अंडर-18 एशिया कप 2026: भारत ने सिंगापुर को 25-0 से रौंदा

भारतीय टीम ने पूल-ए में शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय महिला अंडर-18 हॉकी टीम ने महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 में अपने अंतिम पूल-ए मुकाबले में सिंगापुर को 25-0 से हराकर दमदार प्रदर्शन किया। जापान के काकामिगाहारा में खेली गई इस एकतरफा जीत के साथ भारत ने ग्रुप चरण का समापन तीनों मैच जीतकर किया और सेमीफाइनल में जगह पक्की की। भारतीय टीम के लिए नौशीन नाज सबसे बड़ी स्टार रहीं। उन्होंने शानदार सात गोल दागे (8', 13', 17', 18', 40', 52', 58')। वहीं ह्यप्लेयर ऑफ द मैचह्न चुनी गई गीताश्री नम्मी ने पांच गोल किए (13', 28', 47', 48', 60')। कप्तान स्वीटी कुजूर ने चार गोल (2', 24', 38', 45') कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा प्रियंका मिंज ने हैट्रिक लगाई (22', 37', 53'), दीया (27'), नैन्सी सरोहा (36'), श्रुति कुमारी (40'), पुष्पा मांझी (47'), रश्मीन कौर (47') और संदीपा कुमारी (51') ने भी गोल दागकर जीत को ऐतिहासिक बना दिया। भारत ने मैच की शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। दूसरे मिनट में कप्तान स्वीटी ने पहला गोल किया। इसके बाद नौशीन और गीताश्री ने लगातार हमले करते हुए सिंगापुर की रक्षा पंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम का दबदबा जारी रहा और हाफ टाइम तक टीम ने बड़ा अंतर बना लिया। तीसरे और चौथे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने गोलों की झड़ी लगाते हुए मैच को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। भारत ने इससे पहले मलेशिया, कोरिया और सिंगापुर को हराया और नौ अंकों के साथ पूल-ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। अब टीम के सेमीफाइनल प्रतिद्वंद्वी का फैसला पूल-बी के मुकाबलों के बाद होगा।

फीफा विश्व कप 2026: बेल्जियम ने अभ्यास मैच में क्रोएशिया को 2-0 से हराया

रियेका : फीफा विश्व कप 2026 की तैयारियों के तहत मंगलवार को खेले गए मैत्री अभ्यास मैच में बेल्जियम ने मेजबान क्रोएशिया को 2-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

इस मुकाबले में बेल्जियम के स्टार स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकू ने राष्ट्रीय टीम में वापसी करते हुए अपना रिकॉर्ड 90वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। यह पिछले 12 महीनों में बेल्जियम के लिए उनका पहला मैच था। बेल्जियम को शुरूआती बढ़त कप्तान यूरी टिलेमांस ने दिलाई। 38वें मिनट में क्रोएशिया की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए उन्होंने नजदीक से गोल दागा। यह मूव जेरेमी डोकू के शानदार आक्रमण के बाद बना। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई बदलाव किए। बेल्जियम ने आठ खिलाड़ियों को मैदान में उतारा, जबकि क्रोएशिया ने 10 बदलाव किए। लुकाकू को अंतिम 18 मिनट के लिए मैदान पर भेजा गया और उन्होंने मुकाबले की आखिरी कोशिश में तेज शॉट लगाकर गोल कर दिया। 33 वर्षीय लुकाकू क्लब स्तर पर नापोली के साथ निराशाजनक सीजन के बाद वापसी कर रहे हैं। पूरे सीजन में वह शुरूआती एकादश में जगह नहीं बना सके और हैमस्ट्रिंग चोट से भी जूझते रहे। बेल्जियम के हांस वानाकेन ने भी दूसरे हाफ में हेडर लगाया, लेकिन गेंद क्रॉसबार से टकरा गई। वहीं क्रोएशिया के आंते बुदिमिर और लुका मोड्रिच मौके नहीं भुना सके।

अब क्रोएशिया अपना अगला अभ्यास मैच स्लोवेनिया राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के खिलाफ खेलेगा, जबकि बेल्जियम का सामना ट्यूनीशिया राष्ट्रीय फुटबॉल टीम से होगा। विश्व कप में बेल्जियम अपने अभियान की शुरूआत 15 जून को मिस्र के खिलाफ करेगा, जबकि क्रोएशिया 17 जून को इंग्लैंड राष्ट्रीय फुटबॉल टीम से भिड़ेगा।

वरुण को झटका

वासु भगनानी ने ठोका 400 करोड़ का केस

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' चर्चा में है. फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसके लिए वरुण और उनके पिता डेविड धवन तेजी से प्रमोशन कर रहे हैं. हाल ही में फिल्म का गाना 'चुनरी-चुनरी' रिलीज हुआ, जो पुराने आइकॉनिक गाने का रीमेक है. इसी बीच फिल्म के मेकर्स का प्रोड्यूसर वासु भगनानी से क्लैश देखा जा रहा है. अब नया और बड़ा अपडेट सामने आया है. जिसके मुताबिक, वासु भगनानी ने 400 करोड़ रुपये का केस कर दिया है. पूजा एंटरटेनमेंट लिमिटेड ने बॉम्बे हाई कोर्ट में टिप्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रमेश तौरानी, ??कुमार एस तौरानी और डेविड धवन को तगड़ा झटका दिया है. पर क्यों केस हुआ है, आइए पूरा मामला समझाते हैं. वरुण धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' पर वासु भगनानी का बड़ा आरोप है. उनके मुताबिक, फिल्म में मशहूर गानों को बिना इजाजत के इस्तेमाल किया गया है. हाल ही में बॉलीवुड हंगामा पर एक रिपोर्ट छपी. जिसमें दिए प्रेस स्टेटमेंट के मुताबिक, वकील वी के दुबे एसोसिएट्स ने केस फाइल किया है. जिसमें फिल्म के प्रमोशनल मटीरियल, विवादित गाने 'चुनरी चुनरी' और 'इश्क सोना है' को लेकर आपत्ति जताई है. साथ ही डिस्ट्रीब्यूशन, स्ट्रीमिंग और कमर्शियल इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की है.

➲ कब होगी मामले की सुनवाई?

हाल ही में वासु भगनानी ने मेकर्स के खिलाफ 400 करोड़ रुपये का केस कर दिया है. दरअसल कोर्ट ने उन्हें केस फाइल करने की इजाजत दे दी थी. इस मामले को लेकर जल्द ही सुनवाई होगी. जिसे सबसे बड़ी कॉपीराइट लड़ाइयों में से एक भी कहा जा रहा है.

➲ क्या है वासु भगनानी की मांग?

दरअसल वासु भगनानी चाहते हैं कि गानों के इस्तेमाल पर रोक लगाई जाए. साथ ही प्रमोशनल मटीरियल से 'चुनरी चुनरी' और 'इश्क सोना है' गाने को हटाया जाए. साथ ही 'है जवानी तो इश्क होना है' टाइटल बदलने की भी मांग की गई है. इतना ही नहीं, पूजा एंटरटेनमेंट वालों ने 100 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग भी की है. हालांकि, अगर टिप्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड और डेविड धवन इन मांगों को पूरा नहीं करते हैं, तो चीजें बिगड़ सकती हैं.

➲ क्या है आरोप?

पूजा एंटरटेनमेंट (इंडिया) लिमिटेड ने आरोप लगाया है कि फिल्म के मेकर्स के पास इसके इस्तेमाल के राइट्स नहीं थे. कहा गया है कि ओरिजिनल ऑडियो-विजुअल के राइट्स के बिना गैर-कानूनी तरीके से फायदा उठाया है. हालांकि, टिप्स ने सोशल मीडिया पर इसे लेकर जवाब भी दिया है और इन आरोपों को गलत बताया है.

सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर

मलाइका अरोड़ा ने कहा- 'दूसरों को खुश करने की जरूरत नहीं'

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपने करियर की शुरुआत से ही लोगों की नजरों में रही हैं। उनके काम के अलावा उनकी पर्सनल लाइफ, खासकर उनके रिश्तों को लेकर भी अक्सर चर्चा होती रहती है। एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग्स को कमेंट्स को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अब उन्होंने अपनी इनर हैप्पीनेस यानी अंदर की खुशी को संभालना सीख लिया है। जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा।

इंटरनेट पर बहुत शोर होता है

इंटरव्यू में मलाइका ने कहा, 'मैं अपनी खुशी को इस तरह बचाती हूं कि मुझे याद रहता है कि इंटरनेट पर बहुत शोर होता है, लेकिन हर बात समझदारी भरी नहीं होती। अगर आप अपनी शांति को लोगों की राय के भरोसे छोड़ देंगे, तो आप कभी अंदर से खुश नहीं रह पाएंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने अपनी सीमाएं बनानी सीख ली हैं। अब मैं अपने बारे में हर बात नहीं पढ़ती और न ही हर किसी की राय को दिल पर लेती हूं। मैं असली जिंदगी, अपने काम, अपने करीबियों और अपनी रोजमर्रा की आदतों पर ध्यान देती हूं। यही चीजें मुझे जमीन से जोड़े रखती हैं।'

मैं हर बात पर रिएक्ट नहीं करती

मलाइका का मानना है कि उम्र के साथ सोच भी बदलती है। उन्होंने आगे कहा 'अब मैं हर बात पर रिएक्ट नहीं करती। मुझे समझ आ गया है कि जो लोग आलोचना करते हैं, वह उनके बारे में ज्यादा बताता है, न कि मेरे बारे में। मेरी खुशी अब इस बात में है कि मैं खुद को जानती हूं और उसी में खुश हूं।'

उन्होंने यह भी माना कि पहले वह भी बाकी लोगों की तरह सोचती थीं कि कहीं वह ज्यादा बोल्ड, ज्यादा ओपन या ज्यादा अलग तो नहीं हैं। लेकिन अब उन्हें एहसास हो गया है कि यही उनकी ताकत है। मलाइका ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'आज मैं जैसी हूं, उसे बिना किसी माफी के अपनाती हूं। अब मुझे खुद को बदलकर दूसरों को खुश करने की जरूरत नहीं लगती। अपनी जिंदगी के इस पड़ाव पर मुझे अपने आप में ही सुकून मिलता है।'

Don 3 विवाद अब सलमान के भरोसे!

रणवीर और फरहान का लफड़ा सुलझाएंगे भाईजान?

Don 3: रणवीर सिंह के लिए 'धुरंधर' ने गेम सेट कर दिया. पर फिलहाल 'डॉन 3' विवाद ने पूरा खेल बिगाड़ा हुआ है. क्योंकि WICE ने उन पर बड़ा एक्शन लिया है. रणवीर सिंह के खिलाफ 'नॉन-कोऑपरेशन डायरेक्टिव' जारी कर दिया. अब इसे बैन कहा जा रहा है, लेकिन फेडरेशन का कहना है, ऐसा नहीं है. इधर एक्टर ने 'डॉन 3' छोड़ी, तो उधर फरहान अख्तर ने कहा था कि 45 करोड़ नुकसान हुआ है. जिसकी भरपाई करनी होगी. वैसे एक्टर ने एक्सेल एंटरटेनमेंट को ऑफर दिया था, पर मामला सुलझा नहीं. अब नई रिपोर्ट सामने आ गई है. जिसके मुताबिक, सलमान खान की DON 3 विवाद में एंट्री हो गई है. क्या अब भाईजान इस लफड़े को सुलझाने वाले हैं. रणवीर सिंह और फरहान अख्तर के बीच DON 3 को लेकर मामला फंसा हुआ है. दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी चीजों को लेकर स्टैंड ले रहे हैं. वहीं, इंडस्ट्री में दोनों एक्टर्स की तरफ बंटी हुई है. इसी बीच एक रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि, सलमान खान को रणवीर सिंह पसंद हैं. वहीं अख्तर परिवार से भी रिश्ते हमेशा से अच्छे रहे हैं. अब एक्टर ने दोनों को इस मसले को सुलझाने की बात कही है, ताकी दोनों ही एक्टर्स के भविष्य के प्रोजेक्ट्स पर कोई असर न पड़े.

सलमान खान की 'डॉन 3' विवाद में एंट्री?

नई रिपोर्ट से यह भी पता लगा कि, सलमान खान फरहान अख्तर और रणवीर सिंह के बीच इस मामले को जल्द सुलझाना चाहते हैं. यही वजह है कि एक्टर ने फरहान को क्लियर समझाया कि इंडस्ट्री में क्रिएटिव मतभेद होना एक आम बात है. साथ ही रणवीर सिंह का स्टैंड भी समझा. भाईजान ने एक्टर से काफी लंबी बात की है. वो इस वक्त मेडिएटर की भूमिका निभा रहे हैं और चाहते हैं कि आराम से यह मुद्दा सुलझ जाए. साथ ही किसी को भी नुकसान महसूस न हो.

शाहरुख खान नहीं

अब रजनीकांत की 'जेलर 2' में होगा ऋतिक रोशन का कैमियो?

रजनीकांत के लिए साल 2025 भी सॉलिड रहा था. क्योंकि पिछले साल उनकी 'कुली' रिलीज हुई थी. जिसे बेशक क्रिटिक्स से मिक्स्ड रिस्पॉन्स मिला हो. पर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी. अब बारी है 'जेलर 2' की. जिस पर लंबे वक्त से काम हो रहा है. वैसे तो रजनीकांत और बाकी एक्टर्स अपने हिस्से का शूट पूरा कर चुके हैं. साथ ही शाहरुख खान का कैमियो भी होना था, पर उन्होंने आखिर वक्त पर इसके लिए मना कर दिया. अब नए अपडेट से पता लगा कि ऋतिक रोशन की फिल्म में एंट्री करवाई जा रही है. क्या शाहरुख खान वाला पार्ट ही उन्हें दिया जाएगा. शाहरुख खान का इस वक्त पूरा फोकस ही 'किंग' पर है. जिसे दिसंबर में ही रिलीज किया जाना है और वो उसे लेकर बिजी भी चल रहे हैं. जबकि, ऋतिक अभी किस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं.

'अंडर 18' में किच्चा सुदीप की एंट्री

सच्ची घटनाओं पर आधारित होगी ऐश्वर्या राजेश-विक्रांत की फिल्म

साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी की नई फिल्म 'अंडर 18' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी को लेकर लोगों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता थी, लेकिन अब इसमें सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एंट्री ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसका आधिकारिक ऐलान किया। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही एसआर प्रोडक्शंस ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किच्चा सुदीप का स्वागत किया। पोस्ट में लिखा, ''बादशाह आ चुके हैं। पावरहाउस परफॉर्मर किच्चा सुदीप का 'अंडर 18' में स्वागत है। सफर में एक बड़ा बदलाव अब शुरू होता है।'' फिल्म से उनके जुड़ने के ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। लोग अब यह जानने के लिए और ज्यादा उत्सुक हैं कि फिल्म में किच्चा सुदीप का किरदार कैसा होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी उनके रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है।

ईरान के हमलों से कुवैत, बहरीन में अफरा-तफरी, अमेरिकी सेना ने मार गिराए ड्रोन-मिसाइल, लेबनान में धमाके

एजेंसी

कुवैत सिटी/ मनामा/ बेरूत/ वाशिंगटन : ईरान ने अमेरिका के साथ चल रहे शांति समझौते के प्रयासों के बीच कुवैत और बहरीन पर हवाई हमला कर अपना इरादा साफ कर दिया है। कुवैत और बहरीन अमेरिका के सहयोगी देश हैं। दोनों जगह अमेरिका के सैन्य ठिकाने हैं। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने स्वीकार किया है कि उसने इन देशों में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरान इस समय लेबनान पर हो रहे इजराइली हमलों से बिफरा हुआ है। इजराइल लेबनान में जड़ें जमा चुके ईरान समर्थक आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के ठिकानों को तहस-

नहस कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से हमले रोकने की अपील बेअसर साबित हुई है।

कुवैत टाइम्स, गल्फ न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, कुवैत की हवाई सुरक्षा प्रणाली इस समय दुश्मन के ड्रोन और मिसाइल हमलों का जवाब दे रही है। कुवैती सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने मंगलवार देररात घोषणा की कि देश पर ड्रोन और मिसाइल हमला हुआ है। उन्होंने कहा कि हवाई सुरक्षा प्रणालियां दुश्मन के ड्रोन और मिसाइल हमलों का जवाब दे रही हैं। जनरल स्टाफ ने बाद में एक बयान में कहा कि अभी भी धमाके हो रहे हैं। अमेरिकी सेना ने इन हमलों का जोरदार मुकाबला किया है। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसने ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों को 'हरा दिया' है। उसने अपने पड़ोसी देशों पर ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों की एक पूरी श्रृंखला को ₹सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया₹ है। साथ ही ईरान के केशम द्वीप पर आत्मरक्षा में जवाबी हमले किए हैं। सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा, ₹ईरान ने पड़ोसी देशों की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। उनमें से कोई भी अपने तय निशाने पर नहीं पहुंच पाई। कुवैत पर दागी गई दो ईरानी मिसाइलें अपने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही गिर गईं या रास्ते में ही टूटकर बिखर गईं। बहरीन पर दागी गई तीन मिसाइलों को अमेरिका और बहरीन की हवाई सुरक्षा प्रणालियों ने बीच में ही रोक लिया। बहरीन के गृह मंत्रालय ने पुष्टि की है कि हमले की आहट मिलते ही सुरक्षा सायरन बजाए गए। मंत्रालय के अनुसार, बहरीन ने अपना हवाई क्षेत्र भी बंद कर दिया है और नागरिक उड़ानों को रोक दिया है। इस बीच कुवैत के गृह मंत्रालय ने जनता से अपील की कि वे किसी भी मिसाइल के टुकड़े, संदिग्ध वस्तु या मलबे के पास न जाएं और न ही उन्हें छुएं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि उसकी सेना ने एक खाली तेल टैंकर को बेकार कर दिया है। यह टैंकर अरब खाड़ी में स्थित एक ईरानी बंदरगाह की ओर जाने की कोशिश कर रहा था। कमांड ने कहा कि एक अमेरिकी विमान ने बोत्सवाना के झंडे वाले एमटी लेक्सी के इंजन कक्ष पर हेलफायर मिसाइल दागी। इससे बाद टैंकर खर्ग द्वीप तक नहीं पहुंच पाया। नाकाबंदी लागू होने के बाद से अमेरिकी सेना ने अब तक छह कमर्शियल जहाजों को बेकार कर दिया है और 122 अन्य जहाजो का रास्ता बदलने को मजबूर किया है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को दक्षिणी लेबनान पर हुए इजराइली हमलों में पांच लोग मारे गए, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है और 48 लोग घायल हुए। मंत्रालय ने बयान में कहा कि इन हमलों में घायल होने वालों में तेबनिन सरकारी अस्पताल के एक डॉक्टर और पांच कर्मचारी शामिल हैं। धमाकों से इस अस्पताल को भी नुकसान पहुंचा है।

जयराम रमेश ने ग्रेट निकोबार परियोजना में पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली : पूर्व केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री और कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना को लेकर केंद्र सरकार पर पर्यावरणीय नियमों और प्रक्रियाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को फिर पत्र लिख कर कहा कि परियोजना के पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन करते समय कानून के शब्द और भावना दोनों स्तरों पर पूर्ण अनुपालन नहीं किया गया। उन्होंने परियोजना के लिए किए गए पर्यावरण प्रभाव आकलन अध्ययनों, मंजूरी प्रक्रिया और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा गठित उच्चाधिकार समिति की रिपोर्ट को लेकर कई सवाल उठाए। रमेश ने बुधवार को लिखे पत्र में कहा कि मार्च 2022 की पर्यावरण प्रभाव आकलन रिपोर्ट में स्वयं यह स्वीकार किया गया था कि अध्ययन केवल एक प्रारंभिक

और त्वरित आकलन था। पर्यावरण मंत्रालय ने भी यह माना कि परियोजना की पर्यावरणीय मंजूरी व्यापक ईआईए अध्ययनों पर आधारित नहीं थी, जिनमें तीन मौसमों के प्राथमिक आंकड़ों का उपयोग किया जाता है। परियोजना से संबंधित विभिन्न अध्ययन केवल कुछ सप्ताह के दौरान जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित थे, जबकि इतने बड़े और संवेदनशील क्षेत्र के लिए विस्तृत और बहु-मौसमी अध्ययन आवश्यक थे। उन्होंने कहा कि मंत्रालय द्वारा पुराने और उपलब्ध आंकड़ों के उपयोग का तर्क दिया जा रहा है, जबकि परियोजना स्थल और उसके प्रभाव क्षेत्र से एकत्र किए गए प्राथमिक आंकड़ों का कोई विकल्प नहीं हो सकता। किसी भी बड़े विकास परियोजना के लिए परियोजना-विशेष अध्ययन और प्रत्यक्ष आंकड़ों का संग्रह पर्यावरणीय मूल्यांकन का मूल आधार होना चाहिए। रमेश ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण के फैसलों का जिक्र करते हुए कहा कि तीन अप्रैल 2023 के आदेश में स्वयं अधिकरण ने परियोजना को दी गई पर्यावरणीय मंजूरी में कुछ अनुत्तरित कमियों का उल्लेख किया था। अधिकरण ने व्यापक पर्यावरण प्रभाव आकलन की आवश्यकता सहित कई मुद्दों पर पुनर्विचार का निर्देश दिया था।

किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए सरकार सतर्क

- प्रदेश में उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण, वितरण व्यवस्था पर सतत निगरानी

एजेंसी

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के किसानों को समय पर खाद एवं कृषि आदान उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, मार्कफेड तथा जिला प्रशासन के समन्वय से पूरे प्रदेश में उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। राज्य सरकार ने वैश्विक परिस्थितियों के कारण रासायनिक उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित होने की संभावनाओं को देखते हुए अग्रिम तैयारी की है। उर्वरकों के पर्याप्त भंडारण, समयबद्ध परिवहन और किसानों तक सुगम वितरण सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलों के कलेक्टरों, कृषि अधिकारियों, सहकारिता विभाग तथा मार्कफेड को विशेष निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी और अनियमित वितरण पर रोक लगाने के लिए सतत निगरानी की जा रही है।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश के विभिन्न जिलों में उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण उपलब्ध है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण आयातित उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यापक रणनीति तैयार कर रही है। वर्तमान में राज्य में 9.29 लाख मीट्रिक टन विभिन्न प्रकार के रासायनिक खाद का स्टॉक गोदामों और सोसायटियों में उपलब्ध है। जबकि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रयास से केन्द्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को इस खरीफ सीजन के लिए 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का लक्ष्य आबंटित हुआ हजिसमें यूरिया 7.25 लाख, डीएपी 3 लाख, एमओपी 80 हजार, एनपीके 2.5 लाख तथा एसएसपी 2 लाख मीट्रिक टन शामिल हैं। वर्तमान में प्रदेश के गोदामों एवं समितियों में लगभग 9.29 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है। कृषि विभाग के संचालक राहुल देव ने बुधवार को बताया कि किसानों को पर्याप्त खाद्य मिले इसके लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि जून 2026 अंतर्गत एक जून की स्थिति में रेक प्वाइंट तिल्दा, जिला रायपुर में 1319 मीट्रिक टन यूरिया, रेक प्वाइंट बेलसोंडा महासमुंद 1316 मीट्रिक टन यूरिया इसी प्रकार रेक प्वाइंट खरसिया, जिला रायगढ़ 2646 मीट्रिक टन यूरिया और रेक प्वाइंट जिला बालोद में 1319 मीट्रिक टन यूरिया, इस तरह कुल 6600 मीट्रिक टन यूरिया की खेप आने वाली हैं। इससे किसानों को काफी राहत मिलेगी। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गरियाबंद जिले में वर्तमान में 17,818 मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरक तथा नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इसी प्रकार खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले की मुकुरमुडा समिति में खरीफ सीजन के लिए 362 मीट्रिक टन उर्वरकों का अग्रिम भंडारण किया गया है।

मप्र: नौतपा में नहीं पड़ी तपिश, पूरे 9 दिन बरसे बादल, 36 जिलों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में इस बार नौतपा का पूरी तरह बदला नजर आया। आमतौर पर भीषण गर्मी और लू के लिए पहचाने जाने वाले नौतपा के सभी नौ दिनों में प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में आंधी, बारिश और कई जगह ओलावृष्टि हुई। मौसम के इस बदले मिजाज ने गर्मी का असर लगभग खत्म कर दिया है। मंगलवार को प्रदेश के अधिकांश शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया और कहीं भी हीटवेव की स्थिति नहीं रही। इधर, मौसम विभाग ने बुधवार को इंदौर, उज्जैन सहित प्रदेश के 36 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार अगले चार दिनों तक प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां जारी रहेंगी

और मौसम सुहाना बना रहेगा। नीमच, मंदसौर और आगर-मालवा जिलों में 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

33 जिलों में येलो अलर्ट

इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, पन्ना, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल और हरदा जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

10 डिग्री तक लुढ़का पारा

बारिश और तेज हवाओं के कारण दिन और रात के तापमान में 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। मंगलवार को भोपाल और ग्वालियर में अधिकतम तापमान 37 डिग्री, उज्जैन में 37.5 डिग्री, इंदौर में 38.2 डिग्री और जबलपुर में 38.7 डिग्री सेल्सियस रहा। खंडवा में 40.1 और खजुराहो में 40 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान पचमढ़ी रहा, जहां अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा श्योपुर में 35, बैतूल में 35.2, शिवपुरी में 36 और सतना-नर्मदापुरम में 36.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। मानसून की दस्तक में हो सकती है देरी मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में प्रदेश में टर्फ लाइन और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय हैं। हालांकि इस बार मानसून की रफ्तार धीमी है।

लखनऊ की दो अलग-अलग मार्ग दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलग-अलग थाना क्षेत्र में हुए मार्ग दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। दुबग्गा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह हरदोई रोड स्थित शिफा हॉस्पिटल के सामने एक ट्रक और मोटर साइकिल की टक्कर हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। दुर्घटना में घायल ट्रक गोण्डा जिले के तबेपुर निवासी अमृतलाल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। प्रयागराज के महारजपुर निवासी विपुल कुमार द्विवेदी घायल हैं। विपुल का इलाज केजीएमयू लखनऊ में चल रहा है। पुलिस ने घटना की जानकारी परिवार को देते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी तरह तालकटोरा थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात पं. दीन दयाल उपाध्याय डिग्री कॉलेज के पास, ई-ब्लॉक, राजाजीपुरम में एक तेज रफ्तार डीसीएम ने सड़क पर पैदल जा रहे एक व्यक्ति को टक्कर मार दी। इससे वह व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई।

सूचना प्राप्त होते ही प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और आवश्यक जानकारी एवं साक्ष्य संकलित किया। पुलिस ने मृतक की पहचान गोण्डा जिले के ग्राम कुमेदानी निवासी सुभाष कनौजिया उर्फ मिन्कू (22) के रूप में की। वह वर्तमान में हैदर कैनाल, पं० दीन दयाल उपाध्याय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, ई-ब्लॉक, राजाजीपुरम के पास झुग्गी-झोपड़ी बनाकर रहता था।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव भड़कने की आशंका की वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आया। कारोबार की शुरूआत कमजोरी के साथ हुई। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बना, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की गिरावट बढ़ने लगी। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.16 प्रतिशत और निफ्टी 1.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अपोलो हॉस्पिटल, ओएनजीसी, बजाज ऑटो, नेस्ले और मारुति सुजुकी के शेयर 1.63 प्रतिशत से लेकर 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टीसीएस, टेक महिंद्रा,

इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजी और अडानी इंटरप्राइजेज के शेयर 6.77 प्रतिशत से लेकर 2.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,746 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 885 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,861 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से सात शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 23 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 15 शेयर हरे निशान में और 35 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 142.11 अंक की कमजोरी के साथ 74,507.73 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही मंदड़ियों ने बिकवाली का दबाव बना दिया, जिससे इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ती चली गई। हालांकि खरीदार बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की भी कोशिश करते रहे। इसके बावजूद बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सेंसेक्स लगातार गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक 73,719.36 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की चाल में मामूली सुधार होता हुआ नजर आया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 868.49 अंक लुढ़क कर 73,781.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 67.60 अंक टूट कर 23,415.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से शुरूआती मिनट में ही यह सूचकांक 30 अंक से अधिक की रिकवरी कर 23,447.65 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से यह सूचकांक गिरता चला गया।

शेयर बाजार मे लगातार हो रही बिकवाली की वजह से सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले तक निफ्टी 23,225.50 अंक के स्तर तक आ गया था। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की चाल में मामूली सुधार भी हुआ। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 238 अंक की गिरावट के साथ 23,245.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

न्यूज IN ब्रीफ

रामबन में पुलिस ने नशा विरोधी अभियान तेज किया, बनिहाल में कुख्यात तस्कर गिरफ्तार

बनिहाल : रामबन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अरुण गुप्ता ने बुधवार को बनिहाल का दौरा किया और एक कुख्यात ड्रग तस्कर को गिरफ्तार करने के लिए स्थानीय पुलिस टीम को बधाई दी जिसे अधिकारियों ने पूरे जम्मू-कश्मीर में चल रहे नशीली दवाओं के विरोधी अभियान में एक महत्वपूर्ण सफलता बताया। एसएसपी बनिहाल सुरिंदर सिंह बिलोरिया और बनिहाल के थाना प्रभारी आशिक हुसैन लोन के साथ बनिहाल के एसडीपीओ कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एसएसपी अरुण गुप्ता ने कहा कि रामबन पुलिस ने उपराज्यपाल के नेतृत्व में केंद्र शासित प्रदेश भर में शुरू किए गए नशीली दवाओं के विरोधी अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी और संबंधित आपराधिक नेटवर्क पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। एसएसपी रामबन अरुण गुप्ता ने कहा कि बनिहाल पुलिस ने हाल ही में एक कुख्यात ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है जिसकी पहचान बनिहाल शहर के निवासी जावेद इकबाल मलिक के बेटे आरिफ जावेद के रूप में हुई है जिसे प्रतिबंधित पदार्थों के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी काफी समय से मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय रूप से शामिल था और नशीले पदार्थों की खरीद और वितरण में लगे एक संगठित नेटवर्क के माध्यम से काम कर रहा था। गुप्ता ने कहा कि पुलिस अवैध व्यापार में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान करने के लिए नेटवर्क के बैकवर्ड और फॉरवर्ड दोनों लिंक की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि आरोपी की संपत्ति का आकलन किया जा रहा है और जहां भी लागू होगा कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत संपत्ति की कुर्की सहित कानूनी कार्यवाही शुरू की जाएगी। उनका कहना है कि इसका उद्देश्य न केवल व्यक्तिगत तस्करों को गिरफ्तार करना है बल्कि नशीली दवाओं के व्यापार के पीछे के पूरे नेटवर्क को खत्म करना भी है । एसएसपी ने कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े बड़े सिंडिकेट की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के प्रयास चल रहे हैं।

एक कुख्यात नशीले पदार्थ तस्कर की लगभग 60 लाख रुपये की आवासीय संपत्ति जब्त

अनंतनाग : नशीले पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में अनंतनाग पुलिस ने बुधवार को नशीले पदार्थों और मनोरोगी पदार्थों (एनडीपीएस) अधिनियम के प्रावधानों के तहत एक कुख्यात नशीले पदार्थ तस्कर की लगभग 60 लाख रुपये की आवासीय संपत्ति जब्त कर ली। पुलिस ने बताया कि जब्त की गई संपत्ति में छह मरला जमीन पर बना दो मंजिला कंक्रीट का मकान है जिसका अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 60 लाख रुपये है। यह संपत्ति अनंतनाग के आंचिडोरा इलाके के निवासी अब्दुल गनी खान के पुत्र आसिफ हुसैन खान उर्फ सोआब डॉन की है। अधिकारियों के अनुसार सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68एफ के तहत संपत्ति को कुर्क किया गया। जांच में यह साबित हुआ कि संपत्ति अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य मादक पदार्थों से संबंधित गतिविधियों से प्राप्त धन से अर्जित की गई थी। पुलिस ने बताया कि यह कदम मादक पदार्थों के व्यापार में शामिल व्यक्तियों की वित्तीय संपत्तियों और बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए चलाए जा रहे गहन अभियान का हिस्सा है। अवैध तरीकों से अर्जित संपत्तियों को निशाना बनाकर कानून प्रवर्तन एजेंसियों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अपराधी अपराध से प्राप्त धन का लाभ न उठा सकें।

पंचायत समितियों के नव-निर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण व अध्यक्ष-उपाध्यक्ष चुनाव हेतु पीठासीन अधिकारी नियुक्त

कुल्लू : जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त कुल्लू अनुराग चंद्र शर्मा द्वारा जिला की विभिन्न पंचायत समितियों के नव-निर्वाचित सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाने तथा अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के पदों का चुनाव संपन्न करवाने के लिए पीठासीन अधिकारियों की नियुक्ति के आदेश जारी किए गए हैं। आदेश के तहत कुल्लू एवं भुन्तर पंचायत समिति के लिए उप मण्डलाधिकारी (नागरिक) कुल्लू को पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार नगर पंचायत समिति के लिए उप मण्डलाधिकारी (नागरिक) मनाली, बन्जार पंचायत समिति के लिए उप मण्डलाधिकारी (नागरिक) बन्जार, आनी पंचायत समिति के लिए उप मण्डलाधिकारी (नागरिक) आनी तथा निरमण्ड पंचायत समिति के लिए उप मण्डलाधिकारी (नागरिक) निरमण्ड को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उपायुक्त ने बताया कि सभी संबंधित उप मण्डलाधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली पंचायत समितियों के लिए इस संपूर्ण प्रक्रिया को निष्पक्ष, समयबद्ध और सुचारू रूप से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। यह आदेश हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 79 तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 85 के अंतर्गत जारी किए गए हैं। जारी आदेशों के अनुसार नियुक्त किए गए अधिकारी संबंधित पंचायत समितियों के नव-निर्वाचित सदस्यों को अधिनियम की धारा 126, 127 तथा नियम 85क के प्रावधानों के तहत शपथ ग्रहण करवाएंगे और इसके उपरांत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का चुनाव संपन्न करवाएंगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने मायके में लगाईं फांसी, मौत

फरुर्खाबाद : जिले के जहानगंज थाना क्षेत्र में मायके में रह रही युवती शिल्पी का शव संदिग्ध परिस्थितियों फांसी के फंदे पर झूलता मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। ग्राम मुबारकपुर निवासी प्रशांत ने बुधवार को थाना पुलिस को अवगत कराया कि उसकी बहन (30) शिल्पी की शादी कोतवाली मोहम्मदाबाद के ग्राम शीशम नगला निवासी विजय सिंह के साथ वर्ष 2017 में हुई थी। पति से आपसी विवाद के कारण बहन शिल्पी, बेटी भूमि व बेटे कार्तिक को पढ़ाने के लिए फरुर्खाबाद रह रही थी। स्कूलों की छुट्टी होने के कारण बहन गांव मुबारिकपुर अपने मायके आई थी। दो जून की रात खाना खाकर अपने बच्चों के साथ बाहर छत पर लेटी थी। रात में शिल्पी ने किसी कारणवश फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।
जब रात को बेटी की नींद खुली और मां को अपने पास नहीं देखा तो नानी तारावती को सूचना दी। जब घर के लोगों ने शिल्पी की खोजबीन शुरू की तो कमरे के नीचे हाल में छत के कड़े में दुपट्टा से फांसी लटका हुआ था। शिल्पी के पैर जमीन पर रखे थे जिसके कारण फांसी को संदिग्ध माना गया। परिजन शिल्पी के द्वारा आत्महत्या किए जाने का कारण नहीं बता सके। फॉरेंसिक टीम टीम ने घटना के साक्ष्य जुटाये। सूचना मिलने पर थाना पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए के लिए भिजवाया। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रीशचंद्र ने बताया की परिजनों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

गौरेला पेंड्रा मरवाही : ग्राम पंचायतों में पांच जून को होगी विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन

गौरेला पेंड्रा मरवाही : विश्व पर्यावरण दिवस पर 5 जून को जिले के सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा आयोजित किया जाना है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निदेर्शानुसार ग्राम सभाओं में मुख्य रूप से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026, स्वच्छता व्यवस्था तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। ग्राम सभा में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा करते हुए प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में कचरा प्रबंधन, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता, सामुदायिक शौचालयों के उपयोग और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन जैसे विषयों पर भी निर्णय लिए जाएंगे। ग्राम सभाओं में स्वच्छ भारत मिशन के तहत सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने, स्थानीय स्वच्छता समितियों को सक्रिय करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया जाएगा। पंचायतों को निर्देश दिए गए हैं कि ग्राम सभा की गतिविधियों और निर्णयों की वीडियो रिकॉर्डिंग कर संबंधित पोर्टलों पर अपलोड किया जाए।

शिमला ग्रीष्मोत्सव में नशा उन्मूलन हेतु थीम आधारित महानाटी MAA का होगा आयोजन

शिमला : अंतरराष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव के अंतर्गत समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विषय पर एक विशेष थीम आधारित महानाटी का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 09 जून को पुलिस सहायता कक्ष के समीप दोपहर 3 बजे से सायं 5 बजे तक किया जाएगा जिसमें शिमला के विभिन्न आईसीडीएस खण्ड से लगभग 250 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका भाग लेंगी। उपायुक्त शिमला एवं अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव समिति अनुपम कश्यप ने बताया कि इस अभियान का मूल संदेश ह्लमां की ममता, समाज की शक्तिह्व है, जिसके माध्यम से माताओं को नशा मुक्त समाज निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

मतदाता सूची में किसी भी पात्र मतदाता का नाम न कटे : जितेंद्र

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची महानगर संयोजक मंडली सदस्य जितेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में वार्ड संख्या-15 स्थित कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निदेर्शानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्षक) अभियान के तहत मतदाता सूची से किसी भी पात्र मतदाता का नाम नहीं कटने देने को लेकर चर्चा की गई।

बैठक में वार्ड के सभी नवनियुक्त बीएलए-2 सदस्य उपस्थित रहे। उन्हें निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ मतदाता सूची का निरीक्षण करें। यह सुनिश्चित करें कि किसी भी छोटी-मोटी दस्तावेजी त्रुटि या अन्य कारणों से किसी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से न हटे और वह अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो।

साथ ही बीएलए-2 सदस्यों को अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने, लोगों को मतदान सूची की जांच कराने तथा आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में वार्ड संख्या-15 के अंतर्गत आने वाले 17 मतदान केंद्रों के बूथों की सूची का कार्य भी बीएलए-2 सदस्यों के साथ पूरा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से रांची महानगर संयोजक मंडली सदस्य जितेंद्र गुप्ता, पूर्व युवा मोर्चा कोषाध्यक्ष अजीत नायक, वार्ड 15 अध्यक्ष अकबर कुरैशी, सचिव रिजवान कमर, उपाध्यक्ष खुर्शीद आलम पप्पू, उपाध्यक्ष बबलू खान, कोषाध्यक्ष रवि विश्वकर्मा, सचिव विवेक सोनी, विष्णु शर्मा, अंकित गुप्ता, सागर वर्मा, सदर गुड्डू, गोल्डी मोहम्मद, सनी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रक्त विकार मरीजों की मांगें फिर हुईं नजरअंदाज, स्वास्थ्य समीक्षा बैठक में नहीं हुई चर्चा

रांची : झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन एवं लहू बोलेगा रक्तदान संगठन के नदीम खान ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया, अप्लास्टिक एनीमिया और हीमोफीलिया जैसे गंभीर रक्त विकारों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा नहीं की गई। उनका का कहना है कि इन बीमारियों से जूझ रहे मरीज और उनके परिजन लंबे समय से सरकार से बॉन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए आर्थिक सहायता, निःशुल्क रक्त एवं दवाओं की उपलब्धता, प्रभावी रक्तदान नीति, नियमित स्क्रीनिंग तथा व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रमों की मांग कर रहे हैं। इसके बावजूद उनकी समस्याओं को स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकताओं में पर्याप्त स्थान नहीं मिल रहा है।

लहू बोलेगा टीम के अध्यक्ष नदीम खान ने कहा कि राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग को रक्त विकार रोगियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से विधानसभा में दिए गए आश्वासनों को शीघ्र लागू करने तथा मरीजों, उनके परिजनों और रक्तदान संगठनों के साथ संवाद स्थापित करने की मांग की है। संगठनों का मानना है कि समय पर उपचार, पर्याप्त रक्त उपलब्धता और सरकारी सहयोग से हजारों मरीजों का जीवन बेहतर बनाया जा सकता है।

भाजपा के लोग झूठ फरेब की राजनीत के माहिर है : राजद

रांची : होटवार जेल में बंद यौन शोषण मामले में महिला बंदी ने आज अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताकर दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया।

झारखंड विधानसभा के प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी द्वारा महिलाओं के प्रति कितनी सम्मान है यह राज्य की जनता के सामने आज आ गई बाबूलाल ने होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद एक महिला कैदी के साथ कथित दुष्कर्म और उसके गर्भवती होने की प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्य की जनता को एक महिला को अपमानित करने का काम जिस तरीके से उठाए थे जो तथ्य से दूर एवं पूर्ण रूप से झूठ साबित हो चुका है जिसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के महासचिव मनोज कुमार पाण्डेय ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखी आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के लोग झूठ और फरेब की राजनीति करते हैं आम जनता के समस्याओं से इनका कोई लेना-देना नहीं है आज पूरा देश महंगाई के मार से परेशान है इस पर भाजपा के लोग एक शब्द नहीं बोलेंगे लेकिन महिला के सम्मान के साथ झूठ की राजनीति कर झारखंड में राजनीतिक रोटी सेकना चाहती हैं, कतई जनता इनको माफ नहीं करेगी श्री पाण्डेय ने कहा कि यही कारण है कि झारखंड की जनता इन्हें नकार चुकी है इनका राजनीतिक जमीन खिसक चुका है। राष्ट्रीय जनता दल प्रतिपक्ष के नेता आदरणीय बाबूलाल जी से पूछना चाहती है कि आपको जेल में बंद महिला के साथ दुष्कर्म और गर्भवती होने का जानकारी कैसे मिली यह जनता जानना चाहती है, की जेल परिसर में महिला बंदी के साथ दुष्कर्म हुआ है भारतीय जनता पार्टी के लोग जानते हैं कि यहां महागठबंधन की सरकार राज्य में चतुमुर्खी विकास में लगी हुई है, राज्य विकास की ओर अग्रसर है आम जनता को मूलभूत समस्याओं से कैसे दूर किया जा सकता है इस पर सरकार लगी हुई है लेकिन भारतीय जनता पार्टी के लोग जानबूझकर झूठ और तत्थहीन खबरों को फैलाकर राज्य के विकास में बाधक बन रही है जिसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है।

मानगो में सड़क किनारे खड़ी बस में लगी आग, पूरी तरह जलकर खाक

जमशेदपुर : मानगो स्थित आजादनगर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह सड़क किनारे खड़ी एक बस में अचानक आग लग गई। घटना ओल्ड पुरुलिया रोड नंबर-1 स्थित राज मोबाइल के समीप की है। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी बस जलकर खाक हो गई। स्थानीय लोगों ने बस से धुआं और आग की लपटें उठती देख इसकी सूचना पुलिस और संबंधित विभाग को दी। जानकारी के अनुसार बस रोज रात में उसी स्थान पर खड़ी की जाती थी और सुबह अपने निर्धारित रूट पर चलती थी। घटना के समय बस खाली थी। आग की चपेट में आने से पास का बिजली पोल और कई विद्युत तार भी क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे आसपास की बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई।

माइंस के गड्ढे में डूबा युवक तलाश में जुटी पुलिस

मेट्रोरेज संवाददाता

हुसैनाबाद : हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के सोहया पहाड़ स्थित दमदमी गांव के समीप माइंस के गहरे गड्ढे में एक युवक के डूब जाने की सूचना से इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार पतरा खुर्द निवासी लवकुश कुमार पानी में जाने के बाद वापस नहीं लौटे, जिसके बाद उनके डूबने की आशंका जताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी चंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और युवक की तलाश शुरू कर दी गई। पुलिस स्थानीय ग्रामीणों की मदद से खोजबीन में जुटी हुई है। घटना स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई है और पूरे क्षेत्र में चिंता का माहौल बना हुआ है।

बताया जा रहा है कि जिस माइंस के गड्ढे में यह घटना हुई है, वह पहले से ही विभिन्न विवादों को लेकर चर्चा में रहा है। ग्रामीणों द्वारा कई बार सुरक्षा मानकों और खदान क्षेत्र में बने गहरे जलभराव वाले गड्ढों को लेकर सवाल उठाए जाते रहे हैं। अब युवक के डूबने की इस घटना ने एक बार फिर माइंस संचालन और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।समाचार लिखे जाने तक युवक का कोई पता नहीं चल सका है और पुलिस तथा स्थानीय लोगों द्वारा तलाश अभियान लगातार जारी है। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश भी देखा जा रहा है। युवक के मिलने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सर हमें है आप पर गर्व

चतरा के उपायुक्त रवि आनंद की मानवता और संवेदना पूरे राज्य के लिए गौरव की बात है

बिनय मिश्रा : जिला के सर्वोच्च अधिकारी किसी पीड़ित के कष्ट और पीड़ा को सुनने के लिए जमीन पर बैठ जाएं तथा उसकी समस्या को जानने और सुनने पश्चात परेशानी को तत्क्षण दूर करने के लिए प्रयास करें तो इससे बड़ी उपलब्धि की बात क्या हो सकती है जी हां हम बात कर रहे हैं चतरा जिला के उपायुक्त रवि आनंद की जिला में जनता दरबार, जनसमस्याओं की सुनवाई के कार्यक्रम में जब उपायुक्त ने एक दिव्यांक को परेशान देखा तो उसकी समस्या को जानने के लिए जमीन पर बैठ गए और उसकी पीड़ा और समस्या सुना और तत्क्षण ही उस परेशानी को दूर करने के लिए जो कारगर उपाय किया वह प्रेरणास्रोत और अनुकरणीय है। मैंने अपने 35 वर्षों की पत्रकारिता और झारखंड राज्य बनने के 25 वर्षों बाद यह पहली बार देखा की चतरा जिला में किसी उपायुक्त का संवेदना और मानवता भरा यह व्यवहार किसी दिव्यांग की परेशानी को तत्क्षण दूर किया। विकास कार्यों के प्रति समर्पित जिला के सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा कटिबद्ध रहने वाले चतरा के उपायुक्त रवि आनंद ने निश्चित तौर पर एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा 2018 बैच के इस अधिकारी पर पूरे राज्य और जिला वासियों को गर्व है क्योंकि उपायुक्त का मुख्य लक्ष्य और उद्देश्य जनमानस की पीड़ा दूर करना और जिला को बेहतर बनाना है।

डीसी से मिले सीआरपीएफ के डीआईजी

बिनय मिश्रा

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमित रेनु के द्वारा सीआरपीएफ डीआईजी श्री विनोद कार्तिक से चाईबासा स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की गई। इस दौरान क्षेत्र में संचालित सुरक्षा, विकास एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान वर्तमान में संचालित नक्सल उन्मूलन अभियान की प्रगति, सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों में अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने को लेकर आवश्यक चर्चा किया गया। साथ ही सुरक्षा बलों एवं जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं विकास की प्रक्रिया को और गति देने पर विशेष बल दिया गया। इसके अतिरिक्त जिले के सुदूरवर्ती एवं दुर्गम क्षेत्रों में संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं एवं विकासात्मक कार्यों की व्यापकता को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क संपर्क, पेयजल, आजीविका संवर्धन तथा आधारभूत संरचना से जुड़ी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने हेतु समन्वित प्रयासों पर बल दिया गया। इस दौरान यह भी चर्चा की गई कि सुरक्षा एवं विकास एक-दूसरे के पूरक हैं तथा दुर्गम क्षेत्रों में प्रशासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन आम नागरिकों के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बन सकता है।

उक्त के संदर्भ में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य जिले के प्रत्येक क्षेत्र, विशेषकर दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों तक विकास की मुख्यधारा को पहुंचाना तथा लोगों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों एवं सुरक्षा एजेंसियों के सहयोग से सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

आवंटित दुकानों को किराए पर देने वालों का आवंटन होगा रद्द : अध्यक्ष

मेट्रोरेज संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू) : नगर पंचायत हुसैनाबाद के अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने नगर पंचायत कार्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने नगर पंचायत द्वारा आवंटित दुकानों के व्यावसायिक उपयोग और नियमों के अनुपालन को लेकर प्रशासन का कड़ा रुख स्पष्ट किया। बताया कि नगर पंचायत ने जरूरतमंदों और स्थानीय व्यापारियों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से दुकानों का आवंटन किया था। संज्ञान में आया है कि कुछ आवंटनधारी अपनी दुकानों का स्वयं उपयोग करने के बजाय उन्हें अवैध रूप से ऊंचे किराए पर दूसरों को दे रखे हैं। जो कि पूरी तरह से नियमों के विरुद्ध है। कहा कि यदि नगर पंचायत द्वारा आवंटित

किसी भी दुकान को मालिक द्वारा भाड़े पर लगाया गया पाया जाता है। तो नगर पंचायत प्रशासन बिना किसी देरी के उसका आवंटन रद्द कर देगा। इसके बाद उस दुकान को तत्काल प्रभाव से किसी अन्य योग्य और जरूरतमंद व्यक्ति को आवंटित कर दिया जाएगा। कहा कि नगर पंचायत का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि इन सरकारी संपत्तियों का लाभ वास्तव में उन्हीं लोगों को मिले जिन्हें इसकी आवश्यकता है। न कि इसका व्यावसायिक दुरुपयोग किया जाए। उन्होंने दुकानदारों से अपील की कि वे नगर पंचायत के नियमों का पालन करें। शीघ्र ही विशेष टीम द्वारा दुकानों का भौतिक सत्यापन भी कराया जाएगा। नियम का अवहेलना करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाई की जाएगी।

मारपीट में तीन लोग घायल

मेदिनीनगर : मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के बटऊआ गांव के चौहान टोला में मामूली विवाद के बाद मंगलवार रात मारपीट की घटना हुई, घटना में तीन लोग घायल हुए हैं, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर घायल को हुसैनाबाद से इलाज के बाद रेफर कर दिया गया, मोहम्मदगंज थाना प्रभारी नारायण सोरेन ने कहा कि पुलिस जांच में जुटी है, आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई होगी।

लोको स्थित माता पूजा का आज हुआ विसर्जन

संवाददाता

चक्रधरपुर रेल मंडल अंतर्गत लोको स्थित राम मंदिर प्रांगण के निकट अवस्थित आयोजित छह दिवसीय माता पूजा का विसर्जन हो गया सभी ने नम आंखों से माता को विदा किया और अगले वर्ष फिर जल्दी आने का निवेदन किया। 27 मई से प्रारंभ हुए माता पूजा में प्रतिदिन मां के विभिन्न स्वरूपों की प्रतिमा भक्तजनों के बीच आकर्षण का केंद्र रही। मंगलवार को विसर्जन के दिन निर्धारित स्थल से माता की प्रतिमा विसर्जन के लिए निकली जिन जिन मार्गों पर माता की प्रतिमा और भक्तों की भीड़ निकली उन मार्गों पर भक्तजनों के लिए शीतल पेय की व्यवस्था की गई और भक्तजनों का भव्य स्वागत किया गया

इस प्रकार आज छह दिनों के पश्चात माता पूजा का विसर्जन हो गया।

कोमाकी इलेक्ट्रिक स्कूटर शोरूम का हुआ उद्घाटन

संवाददाता

रांची : अमर चौक, चुटिया स्थित आर.भी . एंटरप्राइजेज में कोमाकी इलेक्ट्रिक स्कूटर शोरूम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती पम्मी देवी (मुखिया) के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अब इलेक्ट्रिक वाहनों का दौर आ चुका है और इससे लोगों को महंगे पेट्रोल की बढ़ती कीमतों से राहत मिलेगी। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और किफायती परिवहन के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बेहतर विकल्प बताया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि नितेश सिंह, केंद्रीय समिति सदस्य, झारखंड मुक्ति मोर्चा भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि आज बड़े-बड़े फोर व्हीलर वाहन भी इलेक्ट्रिक तकनीक को अपना रहे

हैं और यह बदलाव सफल साबित हो रहा है। आने वाले समय में इलेक्ट्रिक वाहन परिवहन क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर बंटी सिंह, शिव प्रसाद साहू, संजीव कुमार सिंह, सहदेव कुमार सिंह एवं छोटू सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने नए शोरूम के सफल संचालन की शुभकामनाएं दीं। कोमाकी इलेक्ट्रिक स्कूटर अपनी आधुनिक तकनीक, बेहतर माइलेज और पर्यावरण अनुकूल विशेषताओं के कारण लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

दिल्ली के हीट वेव अभियान से जुड़ा रेलवे सिविल डिफेंस

जमशेदपुर : गर्मी में हीटवेव से बचाव में दिल्ली सरकार, जिला प्रशासन और राजस्व विभाग सिविल डिफेंस के साथ मिलकर अभियान चला रही है। इसमें टाटानगर रेलवे सिविल डिफेंस के इंस्पेक्टर (राष्ट्रपति से सम्मानित) संतोष कुमार ने भी भाग लिया। संतोष कुमार के अनुसार, गर्मी से बचाव में दिल्ली सरकार राहगीरो, ऑटो रिक्शा चालक, श्रमिको को टोपी-गमछा वितरण कर रही है। जबकि, कूलिंग जोन एवं कूलिंग शेड स्थापित किए गए हैं, जहां राहगीर, रिक्शा चालक, श्रमिक एवं अन्य जरूरतमंद नागरिकों के लिए छाया में बैठने की व्यवस्था होगी क्योंकि, पंखे, ठंडा पानी की भी व्यवस्था की गई है।

मंदिरों के माध्यम से सांस्कृतिक जागरण अभियान चलाएं : हृदयानंद मिश्र

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनी नगर : हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड झारखंड सरकार के सदस्य हृदयानंद मिश्र ने कहा कि रक्षा सूत्र परिवार फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं प्रख्यात चिकित्सक डॉ राजीव नयन के नेतृत्व में फाऊंडेशन के उपाध्यक्ष श्री राहुल मिश्रा, जनसंपर्क अधिकारी सत्यम एवं विशाल ने मुझसे मिलकर कहा कि

रक्षासूत्र परिवार फाउंडेशन ने समाज में बढ़ती सामाजिक दूरी, सांस्कृतिक विघटन और नैतिक मूल्यों के क्षरण को ध्यान में रखते हुए मंदिरों के माध्यम से साप्ताहिक सामाजिक एकीकरण अभियान प्रारंभ करने का प्रस्ताव रखा है। संस्था का मानना है कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना के केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक संरक्षण और जनजागरण के महत्वपूर्ण केंद्र भी हैं।

फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ राजीव नयन ने कहा कि वर्तमान समय में समाज को जोड़ने, युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से परिचित कराने तथा सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। इसी उद्देश्य से प्रत्येक सप्ताह मंदिरों में सामूहिक एकत्रीकरण, संवाद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन की योजना बनाई गई है। इस पहल के अंतर्गत समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को एक मंच पर लाकर सामाजिक समस्याओं, सांस्कृतिक मूल्यों,

नैतिक शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, शिक्षा और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाएगी। इससे समाज में आपसी सहयोग, विश्वास और भाईचारे की भावना को बल मिलेगा।

हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड झारखंड सरकार के सदस्य हृदयानंद मिश्र एडवोकेट ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति उसकी सामाजिक एकता और आध्यात्मिक परंपरा में निहित है। मंदिरों को सामाजिक चेतना और जनसंपर्क के केंद्र के रूप में विकसित करने से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की नई संभावनाएं उत्पन्न होंगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सामाजिक समरसता का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

रक्षासूत्र परिवार फाउंडेशन ने राज्य एवं देश के सभी धार्मिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक संगठनों से इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की है। संस्था के उपाध्यक्ष राहुल मिश्रा का विश्वास है कि समाज के सामूहिक प्रयासों से सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण, सामाजिक एकता का सुदृढ़ीकरण तथा राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को नई दिशा मिलेगी।